RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 147 ● भिलाई, सोमवार 15 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल देखते-देखते होटल मालिक की कुर्सी पर ही मौत

नारनौल। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल से एक बेहद चौंकाने वाली और दुखद घटना सामने आई है। यहां एक 42 वर्षीय होटल मालिक की कुर्सी पर बैठे-बैठे मोबाइल देखते हुए अचानक मौत हो गई। मौत का यह पूरा मंजर होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिसका वीडियो अब सामने आया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक स्वस्थ व्यक्ति पल भर में दुनिया को अलविदा कह गया। मृतक की पहचान गांव गाहड़ा निवासी सुनील शर्मा के रूप में हुई है, जो कनीना में सूरज नाम से एक होटल के मालिक थे। घटना रात करीब साढ़े सात बजे की बताई जा रही है। परिजनों के मुताबिक, सुनील कुमार घर पर खाना खाने के बाद टहलने निकले थे और टहलते हुए अपने होटल पहुंच गए। वहां वे काउंटर के पास रखी कुर्सी पर आराम से बैठ गए और सामने रखे मुड्ढे पर पैर रखकर अपना मोबाइल देखने लगे। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि वे करीब तीन मिनट तक मोबाइल में व्यस्त थे और कुर्सी पर हल्का-हल्का झूल रहे थे। अचानक उन्हें कुछ असहजता महसूस हुई, शायद उन्हें नींद जैसा झटका लगा और वे कुर्सी से सीधे नीचे लुढ़क गए। होटल में मौजूद किराएदार और अन्य कर्मचारियों ने जब सुनील को गिरते देखा, तो वे तुरंत उनकी मदद के लिए दौड़े। उन्हें आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

लापता युवक का शव नहर से बरामद, अपहरण के बाद हत्या किए जाने की आशंका

सोनीपत। गांव सांदल कलां से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता 21 वर्षीय युवक आदित्य का शव दिल्ली हैदरपुर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास मुंडका नहर से बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार किडनैपरों ने युवक की हत्या कर शव को नहर में फेंका। यह मामला 10 दिसंबर को शुरू हुआ था जब आदित्य घर से निकला और उसके बाद वापस नहीं लौटा। परिवार को उसके ही मोबाइल नंबर से लगातार धमकी भरे संदेश आते रहे। परिवार को भेजी गई लापता युवक के व्हाट्सएप न से युवक के परिजनों के फोन पर पोस्ट ओर वीडियो मिली।

चोरी भाजपा के डीएनए में है....

सत्य के साथ खड़े होकर मोदी सरकार को हटाएंगे-राहुल गांधी

नयी दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित 'वोट चोरी' को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी तथा निर्वाचन आयोग पर कड़ा हमला बोला और कहा कि 'चोरी भाजपा के डीएनए में है', लेकिन उनकी पार्टी सत्य के साथ खड़े होकर 'आरएसएस की सरकार' को देश से बाहर करेगी. राहुल गांधी ने यहां रामलीला मैदान में कांग्रेस की 'वोट चोर, गद्दी छोड़' रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ मिलकर प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आत्मविश्वास खत्म हो गया है क्योंकि उन्हें पता चल गया है कि उनकी 'वोट चोरी' पकड़ी गई है. खरगे ने दावा किया कि 'वोट चोरी' करने वाले ''गद्दार'' हैं और इन्हें सत्ता से हटाना होगा ताकि वोट के अधिकार और संविधान को बचाया जा सके. रैली में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे. राहुल गांधी ने रैली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान का हवाला देते हुए कहा, ''भागवत ने कहा कि विश्व सत्य को नहीं शक्ति को देखता है. जिसके पास शक्ति है उसे माना जाता है. यह विचारधारा आरएसएस की है. हमारी विचारधारा, हिंदुस्तान की विचारधारा, हिंदू धर्म की विचारधारा और दुनिया के सभी धर्मों की विचारधारा कहती है कि सत्य सबसे जरूरी हैं.

भागवत कहते हैं कि सत्य का कोई मतलब नहीं है, सत्ता जरूरी है.''उन्होंने कहा, '' सत्य और असत्य के बीच लड़ाई है. हम सत्य के साथ खड़े होकर हिंदुस्तान से नरेन्द्र मोदी, अमित शाह तथा आरएसएस सरकार को हटाएंगे.'' भागवत ने शनिवार को अंडमान में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि वर्तमान समय में वैश्विक मान्यता को आकार देने में केवल सत्य से कहीं अधिक शक्ति का योगदान है. उन्होंने कहा था, विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है, उसको मानता हैज्भले मन से नहीं, पर मानता जरूर है. राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग का हवाला देते हुए चेतावनी भरे लहजे में कहा, ''कांग्रेस पार्टी आपसे (निर्वाचन आयुक्त) कह रही है। आप हिंदुस्तान के निर्वाचन आयुक्त हो, नरेन्द्र मोदी के निर्वाचन आयुक्त नहीं हो. हम कानून को पूर्व व्यापी प्रभाव से बदलेंगे और आपके खिलाफ कार्रवाई करेंगे.'' उन्होंने दावा किया कि संसद में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हाथ कांप रहा था. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का कहना था, ''आप सबने देखा होगा कि सदन में अमित शाह का हाथ कांप रहा था. अमित शाह तभी तक बहादुर हैं,।

अर्थव्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार के दावे पूरी तरह से मनगढ़ंत : अखिलेश.....

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा अर्थव्यवस्था को लेकर किए गए दावे को रविवार को मनगढ़ंत करार दिया. उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स पर एक पोस्ट में कहा अब तक के इतिहास में डॉलर के मुक़ाबले रुपये का सबसे ज्यादा कमज़ोर होना ये दिखाता है कि अर्थव्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार द्वारा किये जा रहे सारे आंकड़े और दावे पूरी तरह से झूठे और मनगढ़ंत हैं.

कार्यकर्ता पात्र लोगों को वोटर बनवाएं

एसआईआर के बाद उप्र में चार करोड़ मतदाता घटे-सीएम योगी

लखनऊ/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर में राज्य में मतदाताओं की संख्या में करीब चार करोड़ की कमी होने का दावा करते हुए रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं का आान किया कि वे हर बूथ पर पूरी जिम्मेदारी से पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जुड़वाने के लिये जुट जाएं. मुख्यमंत्री ने यहां एक समारोह में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई का नया अध्यक्ष निर्वाचित किये जाने के बाद अपने

सम्बोधन में कहा कि 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के हर शख्स का नाम मतदाता सूची में होना चाहिए और इस तरह उत्तर प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 16 करोड़ होनी चाहिए. आदित्यनाथ ने कहा कि मगर एसआईआर के बाद मतदाता सूची में जो नाम आए हैं, वे 12 करोड़ हैं. उन्होंने कहा, यह चार करोड़ का अंतर है. जनवरी 2025 की मतदाता सूची में कुल 15 करोड़ 44 लाख नाम थे. एक जनवरी 2026 को जो भी युवा 18 वर्ष का होगा वह मतदाता बनने का हकदार होगा तो यह संख्या बढ़नी चाहिए लेकिन यह संख्या बढ़ी नहीं, बल्कि घटी है. अब यह 12 करोड़ रह गई है. आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं से कहा, यह जो चार करोड़ का अंतर हैज्. वह आपका विरोधी नहीं है इसमें से 85 से 90 प्रतिशत आपका मतदाता है. संयोग से भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर फार्म जमा करने के लिये 14 दिन का समय बढ़ाया है. इस समय का बेहतर उपयोग हो.

पत्नी ने एलिमनी लेने से किया मना, सास के कंगन भी लौटाए

नई दिल्ली। तलाक की कार्रवाई में दो पक्षों में हमेशा पैसों और प्रॉपर्टी को लेकर दावे होते हैं, लेकिन गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट तलाक के एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रहा था जिसे खुद कोर्ट ने कहा कि यह एक 'दुर्लभ' समझौता है, क्योंकि पत्नी ने कोई पैसों का दावा नहीं किया था। दरअसल, महिला ने तलाक लेते वक्त किसी भी तरह का गुजारा भत्ता या एलिमनी नहीं मांगी। इतना ही नहीं, उसने शादी के समय अपनी सास के तोहफे में दिए गए सोने के कंगन वापस करने की भी इच्छा जताई। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह केस जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और के.वी. विश्वनाथन की बेंच के सामने आया। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यह एक बहुत कम होने वाला समझौता है।

पीएम मोदी समेत नेताओं ने दी बधाई

नितिन नबीन बने बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

नईदिल्ली / एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को बिहार के मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और बिहार के नेताओं समेत पार्टी के कई शीर्ष नेताओं ने उन्हें बधाई दी।

पीएम मोदी ने की सराहना- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर नितिन नबीन की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। पीएम ने लिखा, 'नितिन नबीन जी ने एक मेहनती कार्यकर्ता के तौर पर अपनी पहचान बनाई है।

वह एक युवा और मेहनती नेता हैं, जिनके पास संगठन का अच्छा अनुभव है और बिहार में कई बार विधायक और मंत्री के तौर पर उनका रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। वह अपने विनम्र स्वभाव और जमीनी काम करने के तरीके के लिए जाने जाते हैं। मुझे विश्वास है कि उनकी ऊर्जा और समर्पण हमारी पार्टी को मजबूत करेगा।'

राजनाथ सिंह ने दी शुभकामनाएं- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी नितिन नबीन को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने लिखा, 'बिहार की धरती से आने वाले युवा और ऊर्जावान नेता नितिन नबीन को क्ष्छ्क्ष्क के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई। वे एक कर्मठ कार्यकर्ता और कल्पना क्षमता के धनी व्यक्ति हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक नेतृत्व में वे भाजपा को सफलता की नई बुलंदियों तक ले जाने में अवश्य सफल होंगे।'

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख

चुनौती देने वाले एनजीओ पर 1 लाख का जुर्माना....

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग पर सख्त नाराजगी जताते हुए एक गैर सरकारी संगठन पर 1 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। यह मामला अल्पसंख्यक स्कूलों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम के दायरे से बाहर रखने वाले सुप्रीम कोर्ट के ही पुराने फैसले को चुनौती देने से जुड़ा था। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता की इस हरकत को प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग बताया और बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के साथ इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान अदालत

का माहौल बेहद गरम रहा। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने याचिकाकर्ता और वकीलों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि वे बेहद आक्रोशित हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर किसी की हिम्मत कैसे हुई कि वह सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के फैसले के खिलाफ ही रिट याचिका दायर कर दे।

महाराष्ट्र विधानसभा में लोकायुक्त कानून पर बड़ा फैसला, अब आईएएस अधिकारी भी आएंगे जांच के दायरे में

मुंबई। ज्येष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे द्वारा महाराष्ट्र में लोकायुक्त कानून को लेकर दी गई चेतावनी के महज 24 घंटे के भीतर राज्य सरकार हरकत में आ गई है। गुरुवार को अन्ना हजारे ने अल्टीमेटम दिया था कि यदि राज्य में लोकायुक्त कानून लागू नहीं किया गया तो वे जनवरी 2026 से आमरण अनशन शुरू करेंगे। इस चेतावनी के अगले ही दिन शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा में लोकायुक्त कानून, 2023 में एक बेहद महत्वपूर्ण संशोधन को मंजूरी दे दी गई।

'विज़न 2027' पर चर्चा

विधानसभा में सुनील सोनी ने कहा-छत्तीसगढ़ रजत जयंती ही नहीं स्वर्ण जयंती की अवधारणा को लेकर आगे बढ़ेगा

रायपुर। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आज पहले दिन छत्तीसगढ़ विज़न 2047 पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा विधायक सुनील सोनी ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रथम बार जब मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने संकल्प लिया था कि अच्छा और बेहतर कार्य करेंगे। हमारा प्रदेश केवल रजत जयंती ही नहीं बल्कि स्वर्ण जयंती की अवधारणा को लेकर आगे बढ़ेगा। स्वच्छ भारत मिशन योजना तथा अन्य योजनाओं पर निर्णय लेकर विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखेंगे। सुनील सोनी ने कहा कि हर घर शौचालय, हर किसी के लिए आवास, हर घर जल जैसी 210 योजनाएं लाई गईं और उन्हें धरातल पर लाया गया। दुर्भाग्य से प्रदेश में कांग्रेस की 5 वर्षों की सरकार में छत्तीसगढ़ फिर से पीछे की ओर चला गया। जनता ने भाजपा के 15 वर्षों की सरकार की तुलना कांग्रेस के 5 वर्षों की सरकार से की तो भाजपा की सरकार को बेहतर माना। पुन: विश्वास करके छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार को चुना। सोनी ने कहा कि कोविड कालखण्ड के दौरान भी हमने आत्मनिर्भर भारत की कल्पना को आगे बढ़ाये रखा। प्रधानमंत्री ने प्रतिदिन 18-20 घंटे कड़ा परिश्रम किया और देश ने

एक नहीं बल्कि दो-दो कोविड की वैक्सिन तैयार की। हमारे व्दारा 140 देशों को वैक्सिन के रूप में जीवन रक्षा कवच प्रदान किया गया। मेरा मानना है कि छत्तीसगढ़ के विकास के लिये बस्तर और सरगुजा संभाग को पूर्णत: विकसित करना होगा। मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ 2026 तक नक्सल मुक्त राज्य होगा। बस्तर छत्तीसगढ़ का स्वर्ग है। सोनी ने कहा कि शिक्षण, स्वास्थ्य, हाउसिंग, पुलिसिंग जैसे सभी विषयों को लेकर हमें आगे बढ़ना होगा मास्टर प्लान ही नहीं बल्कि जोनल प्लान भी बनाना होगा। आज छत्तीसगढ़ के लोग स्वाभिमान से सर उठाकर जी रहे हैं। इसके लिये मैं देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी को धन्यवाद देता हूं, क्योंकि यह राज्य उन्हीं ही देन है। मोदी जी ने देश की आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर 100 लाख करोड़ शक्ति मंत्रालय की कार्य योजना पर कार्य करना शुरू कर दिया है ।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में हुए आतंकी हमले की निंदा की

सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय के उत्सव में गोलीबारी, 11 लोगों की हुई मौत..

सिडनी/ एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर रविवार को यहूदी समुदाय के उत्सव के दौरान दो बंदूकधारियों की अंधाधुंध गोलीबारी में 11 लोगों की मौत हो गई. ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने इसे आतंकी हमला करार दिया है. पुलिस ने एक हमलावर को मार गिराया जबकि एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया. सिडनी के न्यू साउथ वेल्स पुलिस आयुक्त एम. लेनयॉन ने बताया कि इस हमले में दो पुलिस अधिकारियों समेत 29 लोग घायल हुए हैं. उन्होंने बताया कि घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया है. राज्य प्रमुख क्रिस मिन्स ने कहा, ''इस हमले का निशाना सिडनी का यहूदी समुदाय था.'' यहूदी त्योहार हनुक्का की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए सैकड़ों लोग बॉन्डी बीच पर 'चानुका बाय द सी' नामक कार्यक्रम के लिए एकत्र हुए थे. ऑस्ट्रेलियाई टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित

फुटेज में देखा जा सकता है कि कोई व्यक्ति बंदूकधारियों में से एक को पकड़कर उससे हथियार छीन लेता है और फिर वही हथियार उस पर तान देता है. मेलबर्न निवासी 32 वर्षीय लाचलान मोरान ने बताया कि वह पास ही में अपने परिवार का इंतजार कर रहे थे, तभी उन्हें गोलियों की आवाज सुनाई दी. उन्होंने कहा, ''सब लोग अपना सारा सामान छोड़कर भागने लगे, लोग रो रहे थे, और यह सब बहुत भयानक था.'' पुलिस ने कहा कि उसका अभियान जारी है और ''आसपास के इलाके में मिली कई संदिग्ध वस्तुओं'' की जांच विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा की जा रही है, जिसमें एक संदिग्ध की कार में बरामद किया गया आईईडी भी शामिल है. प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनकी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं उन्होंने कहा, ''बॉन्डी बीच के दृश्य चौंकाने वाले और दुखद हैं. पुलिस और आपातकालीन कर्मी मौके पर मौजूद हैं और लोगों की जान बचाने के लिए प्रयासरत हैं.'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और दुख की इस घड़ी में वहां के लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त की.

मेक्सिको ने बढ़ाया टैरिफ

भारत ने दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली। मेक्सिको ने भारत से आयात होने वाले कुछ चुनिंदा उत्पादों पर टैरिफ में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इसके जवाब में, भारत ने अपने हितों की रक्षा के लिए 'उचित कदम' उठाने की चेतावनी दी है। यह जानकारी शनिवार को एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने कहा, 'भारत भारतीय निर्यातकों के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है, साथ ही रचनात्मक बातचीत के ज़रिए समाधान खोजने की कोशिश जारी रखेगा।' पीटीआई

की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस संबंध में बिल पेश किए जाने के शुरुआती चरण से ही मेक्सिको के साथ बातचीत कर रहा था। वाणिज्य विभाग और मेक्सिको के अर्थव्यवस्था मंत्रालय आपसी फायदे वाले ऐसे समाधान खोजने में लगे हुए हैं

CMYK

कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर-उदयपुर क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन-लोकार्पण

लखनपुर-उदयपुर क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन-लोकार्पण

उदयपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने विधानसभा क्षेत्र लखनपुर और उदयपुर में करोड़ों रुपये की लागत से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं से क्षेत्रीय संपर्क सुविधाएं मजबूत होंगी तथा ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। मंत्री ने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए कहा कि सभी आवश्यक परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा किया जाएगा। उदयपुर विकासखंड के चैनपुर-खमरिया मार्ग पर रेहंड नदी में उच्च स्तरीय पुल और पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 11 करोड़ 86 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। मंत्री अग्रवाल ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमिपूजन किया, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को नदी पार करने में होने वाली कठिनाइयों से मुक्ति मिलेगी। पुल बनने के बाद स्थानीय बाजारों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच आसान हो जाएगी। ग्राम पंचायत लाटोरी में 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पुलिया का भी भूमिपूजन किया गया। इस समारोह में स्थानीय सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। यह पुलिया क्षेत्रीय संपर्क को और सशक्त बनाएगी, जिससे किसानों और ग्रामीणों को दैनिक कार्यों में सुगमता मिलेगी। मंत्री राजेश अग्रवाल ने किसानों को भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी उपज का एक-एक दाना खरीदेगी और उचित मूल्य दिलवाएगी। यदि किसी समिति में कर्मचारी द्वारा अवैध वसूली, परेशानी या अनुचित व्यवहार होता है, तो टोल-फ्री नंबर पर शिकायत करें। शिकायत मिलते ही तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने क्षेत्र के विकास के प्रति समर्पण जताते हुए कहा कि सरकार ग्रामीण विकास के लिए कटिबद्ध है।

विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज दिवस पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं जॉच शिविर का किया गयाआयोजन

बेमेतरा। सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन में एवं अनिता कोशिमा रावटे, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में माननीय नालसा एवं सालसा के निर्देशानुसार विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत गुनरबोड़ स्थित श्री श्याम शक्ति फ्लाई एस ब्रिक्स व ईट भट्ठा एवं नवीन निर्माणाधीन न्यायालय भवन में स्वास्थ्य विभाग के टीम के साथ स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित कर वहां कार्यरत मजदूरों की स्टॉफ नर्स दीपांजली डेनियल द्वारा बीपी, शुगर जाँच, दीपा शर्मा, नेत्र सहायक अधिकारी द्वारा नेत्र जॉच आवश्यकतानुसार दवाई उपलब्ध कराया तथा उन्हें नियमित रूप से टिटनेश का टीका प्रत्येक छःमाही में लगवाने, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने एवं शासन की योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कल्याण, जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यकम से मिल रहे स्वास्थ्य संबंधी लाभ का उपयोग करने एवं रूटिन स्वास्थ्य जाँच कराने के संबंध में चर्चा किया गया। इसके अतिरिक्त वृद्धाश्रम कंतेली, वृद्धाश्रम कोबिया, बेमेतरा में भी वृद्ध जनों हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत-बीजाभाठ स्थित ईट भट्ठा एवं तालुका स्तर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चेचानमेटा, वि. खण्ड साजा, जिला-बेमेतरा में भी अधिकार मित्रों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया, उक्त कार्यक्रम में लोगों को नालसा एवं सालसा द्वारा चलाये जा रहे योजनाएं एवं अभियान के संबंध में जानकारी प्रदान किया गया तथा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वीना हिरवानी द्वारा नेशनल ट्यूबरकुलोसिस एलिमिनेशन प्रोग्राम, नेशनल डायलिसिस प्रोग्राम एवं प्रदूषण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी प्रदान किया गया। कार्यकम में उपस्थित स्वास्थ्य विभाग से किशन रत्नाकर, विश्वजियोथैरपिस्ट, प्रीती जंघेल, पीएसडब्ल्यू के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा से दिनेश तिवारी चीफ, एलएडीसी, समस्त असिस्टेंट, लीगल एड डिफेंस कौंसिल, पैरालिगल वॉलेटियर्स तरूण आनंद, पंकज घृतलहरे, पवन कुमार साहू, टुवेन्द्र वर्मा, धरमू बारले, देवेन्द्र यादव, चेतन सिंह साहू, नागेश सिन्हा की उपस्थिति रही।

डांडेसरा में मखाना खेती का शुभारंभ, ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम

धमतरी। जिले में ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ बनाने एवं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित ग्राम डांडेसरा के छोटी .छोटी डबरियों में मखाना पौधरोपण की औपचारिक शुरुआत स्व.सहायता समूह शैलपुत्री एवं नई किरण की महिलाओं द्वारा की गई। नई फसल की शुरुआत से क्षेत्र में उत्साह एवं उत्सुकता का वातावरण देखने को मिला है। महिला समूहों को पूर्व में मखाना उत्पादन, प्रबंधन एवं हार्वेस्टिंग का तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। इस पहल से ग्रामीण महिलाओं के लिए नए आय-सृजन के अवसर उपलब्ध होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा डांडेसरा पहुंचे और महिला समूहों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने नई खेती की शुरुआत पर बधाई देते हुए कहा कि मखाना इस क्षेत्र की भौगोलिक एवं जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप बेहद उपयुक्त फसल है। कलेक्टर ने बताया कि मखाना की खेती हेतु दो से तीन फीट पानी पर्याप्त है। फसल छः माह में तैयार हो जाती है।

यह धान की तुलना में अधिक लाभकारी है। मखाना न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत पोषक है, जिसमें विटामिन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन एवं जिंक प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि धमतरी में मखाना की आधुनिक खेती किसानों तथा महिला स्व.सहायता समूहों के लिए आय बढ़ाने का नया मार्ग बनेगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि मखाना को धान के बेहतर विकल्प के रूप में बड़े पैमाने पर अपनाया जाए। उन्होंने तालाबों को मखाना खेती के अनुकूल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में आयोजित धमतरी कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा छत्तीसगढ़ को मखाना बोर्ड में शामिल करने की घोषणा की गई थी जिससे राज्य में मखाना उत्पादन को राष्ट्रीय स्तर का सहयोग प्राप्त होगा। इसके पूर्व जिले के कुरूद विकासखंड के ग्राम राखी, दरगहन एवं सरसोंपुरी को मखाना खेती के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित किया गया है। इन गांवों में मखाना उत्पादन प्रगति पर है तथा फसल की हार्वेस्टिंग भी प्रारंभ हो चुकी है।

कार्यक्रम में उप संचालक उद्यानिकी पूजा कश्यप साहू, उप संचालक कृषि मोनेश साहू एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्रधान कृषि वैज्ञानिक डॉ गजेन्द्र चन्द्राकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यह पहल धमतरी जिले को मखाना उत्पादन के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेगी।

गौ प्रतिष्ठा महायज्ञ एवं शिवमहापुराण कथा में सम्मिलित हुए विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा। कृषि उपज मंडी परिसर बेमेतरा में पौष कृष्ण द्वितीया से दशमी (6 से 14 दिसंबर) तक आयोजित भव्य गौ प्रतिष्ठा महायज्ञ एवं शिवमहापुराण कथा पूरे जिले में आध्यात्मिक आस्था, संस्कृति और सनातन मूल्यों का अनुपम संगम बन गई है। इस पावन अवसर पर शनिवार को बेमेतरा विधायक दीपेश साहू श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम में शामिल हुए।विधायक साहू ने दंडी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती (सपाद लक्षेश्वर धाम, सलधा) से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने यज्ञ की परिक्रमा कर जिले की शांति, उन्नति, सुख-समृद्धि, सद्भाव एवं मंगलकामना के लिए प्रार्थना की तथा शिवमहापुराण की दिव्य कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा राजेंद्र शर्मा शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन राजू देवांगन गोपी देवांगन सहित भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि बेमेतरा के लिए यह अत्यंत सौभाग्य का विषय है कि हमारी कृषि मंडी परिसर में इतने भव्य और पावन स्वरूप में शिवमहापुराण कथा एवं गौ प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन हो रहा है। ऐसे धर्म आयोजन समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करते हैं और हमें हमारी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ते हैं। आधुनिकता और भौतिक प्रगति के साथ-साथ धर्म, संस्कार और आस्था से जुड़े रहना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे सनातन धर्म ने हमें ऐसे महान संत और धर्मगुरु दिए हैं, जो समय-समय पर समाज को सही दिशा दिखाते हैं। मज्ज्योतिमर्यानंद महाराज का ज्ञान, उनकी वाणी और तेज मन को शुद्ध कर नई चेतना का संचार करता है। साहू ने श्रीमद भागवत गीता के श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है और अधर्म बढ़ता है, तब-तब ईश्वर धर्म की स्थापना हेतु अवतरित होते हैं। संभव है कि हमारे धर्मगुरु ही ईश्वर के किसी स्वरूप में हमें मार्गदर्शन देने आते हों। विधायक साहू ने कहा कि ऐसे पवित्र धर्म मंच व्यक्ति को आत्मिक रूप से मजबूत बनाते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरते हैं। उन्होंने जिले, ग्राम एवं नगर के सभी परिवारों और श्रद्धालुओं के लिए सुख-शांति, समृद्धि और मंगल की कामना की। कार्यक्रम का सफल संचालन सपाद लक्षेश्वर धाम निर्माण सेवा समिति, बेमेतरा इकाई द्वारा किया जा रहा है।

पीएम आवास योजना की प्रगति पर कमिश्नर सुमित अग्रवाल की अधिकारियों, एजेंसियों की समीक्षा

दुर्ग। नगर निगम कमिश्नर सुमित कुमार अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान कमिश्नर ने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संबंधित एजेंसियों की कार्यप्रगति का गहन मूल्यांकन करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए। कमिश्नर ने बीएलसी तथा एएचपी घटक के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की समीक्षा की और सभी एजेंसियों को कहा कि इस माह के अंत तक कार्यप्रगति में सुधार लाएँ तथा योजना के अनुरूप कार्यों में तेजी लाकर उन्हें समय पर पूर्ण करें। इसके साथ ही अधिकारियों व कर्मचारियों को डेली फॉलो-अप करने के निर्देश दिए, ताकि आवास निर्माण एवं अनुमोदन कार्य में किसी भी प्रकार की देरी न हो। सरस्वती नगर फ्लैट के संबंध में भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। कमिश्नर ने कहा कि निर्धारित अवधि में हर हाल में सरस्वती नगर साइट का कार्य पूरा कराया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को जल्द से जल्द फ्लैट में शिफ्ट कराया जा सके। बैठक में नोडल अधिकारी, सब-नोडल राजेश ठाकुर, इंजीनियर हरिशंकर साहू, समस्त सीएलटीसी एक्सपर्ट और एजेंसियों के कर्मचारी उपस्थित थे।

आयुक्त ने उद्यानों, वाटर एटीएम एवं साफ-सफाई का किया निरीक्षण

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-5 अंतर्गत उद्यान, वाटर एटीएम, पेवर ब्लाक सहित डोम शेड का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा सेक्टर 04 सड़क 36 स्थित उद्यान एवं मा कर्मा उद्यान का निरीक्षण किया गया। उद्यानों की साफ-सफाई व्यवस्थित पाया गया एवं आवश्यक संधारण संबंधी कार्य हेतु उप अभियंता शंकर सुमन मरकार को निर्देशित किये है। असमाजिक तत्वों द्वारा उद्यान के गेट की चोरी कर लिया गया है। संबंधित के खिलाफ थाने में प्राथमिकी सूचना दर्ज कराने जोन आयुक्त एवं उपस्थित अभियंताओं को निर्देशित किये है। सड़क 26 स्थित उद्यान में असमाजिक तत्वों द्वारा रात्रि में आकर नशा किया जाता है, स्थानीय निवासियों द्वारा आयुक्त को समस्या से अवगत कराया गया। निगम आयुक्त द्वारा आगामी समय में सार्वजनिक स्थलों एवं उद्यानों में नशा करते पाये जाने पर अज्ञात के खिलाफ कार्यवाही करने पुलिस हेल्प लाईन नंबर 100 या 112 पर शिकायत दर्ज करा सकते है। सेक्टर 4 के सड़क किनारे स्थानीय नागरिक द्वारा कचरा जलाया जा रहा था, जिसे तत्काल बुझाने कहा गया और समझाइस दिया गया है। आयुक्त द्वारा शहर में कचरा जलाने एवं फैलाने वाले के खिलाफ बड़ी चालानी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। आयुक्त द्वारा एस.एन.जी. स्कूल के पास विधायक निधि मद अंतर्गत 4 लाख की लागत राशि से वाटर एटीएम लगाया गया है, जिसका अवलोकन किये। वाटर एटीएम वर्तमान में बंद पाया गया, जिसे चालू कराने निर्देशित किया गया। सेक्टर 4 पोस्ट आफिस के पास विधायक निधि मद अंतर्गत 7 लाख की लागत राशि से वाटर एटीएम का अवलोकन किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी पहुंचे विभिन्न स्कूलों में

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने जिले के दुर्ग विकासखण्ड के विभिन्न स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शासकीय प्राथमिक शाला कुथरेल में पदस्थ समस्त शिक्षक निर्धारित समय पर संस्था में उपस्थित पाये गये। छात्र-छात्राओं को मीनू अनुसार मध्यान्ह भोजन प्रदाय करने व नियमित अध्यापन कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गये। शासकीय प्राथमिक शाला गांधीभांठा अण्डा में प्रार्थना के समय चन्द्रहास साहू सहायक शिक्षक के द्वारा एक छात्र से दैनिक समाचार का वाचन कराया जा रहा था जिसे अन्य छात्र-छात्राओं द्वारा दोहराया जा रहा था। इस गतिविधियों से बच्चों में दैनिक समाचार पत्र पने की आदत के साथ साथ सामान्य ज्ञान की वृद्धि भी हो रही हैं। साहू द्वारा कराई जा रही इस गतिविधि की जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रशंसा की गई। शासकीय प्राथमिक/उ.मा.वि. अण्डा के निरीक्षण दौरान सभी स्टाफउपस्थित पाये गये। 31 दिसम्बर 2025 तक प्राथमिक वर्ग में कक्षा स्तरीय ज्ञान कराये जाने, विद्यालय में स्वच्छता का अभाव पाये जाने पर स्वच्छता बनाये रखने के निर्देश दिये गये है। सेजेस निकुम का निरीक्षण दौरान निशी चन्द्राकर एवं जुबेर सहायक शिक्षक संविदा, शाला समय तक अपने कार्य पर उपस्थित नही पाये गये। छात्र-छात्राएं नियत समय का पालन नही करते तथा शाला समय पर इर्द गिर्द घुमते पाये गये जिससे संस्था प्रमुख का छात्राओं पर नियंत्रण का अभाव पाये गये हैं। शास. प्राथमिक / माध्यमिक शाला आमटी का निरीक्षण दौरान हेमन्त कुमार टांडिया, पंचराम देवांगन शिक्षक रमेश कुमार देशमुख सहायक शिक्षक विलम्ब से शाला पहुंचे। 31 दिसम्बर 2025 तक कक्षा स्तरीय ज्ञान कराये जाने, विद्यालय में स्वच्छता का अभाव पाये जाने पर स्वच्छता बनाये रखने के निर्देश दिये गये है। शास.उ.मा.वि. रसमड़ा के निरीक्षण दौरान स्वच्छता का अभाव पाया गया जिस पर शाला/शाला परिसर को स्वच्छ रखने के अध्यापन कार्य पर विशेष जोर देने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान नियत समय पर अनुपस्थितों के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए आगामी 01 जनवरी से बायोमैट्रिक उपस्थिति की जानकारी भी दी। निरीक्षण के दौरान सभी प्राथमिक / पूर्व माध्यमिक शाला के संस्था प्रमुखों को मध्यान्ह भोजन निर्धारित मीनू अनुसार प्रदाय करने, बारहाखड़ी, पहाड़ा पुस्तक वाचन के नियमित अभ्यास कराने, विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थित सुनिश्चित किये जाने तथा नियत समय पर अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश दिये।

इसी प्रकार हाई/ हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के

अब तक 40,874 किसानों से 19 लाख क्विंटल धान की खरीदी

धमतरी। जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन कार्य सुचारू रूप से जारी है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशन में इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाया गया है। जिले की कुल 74 प्राथमिक सहकारी समितियों में अब तक 1,29,188 किसानों के 12,576.91 हेक्टेयर रकबे का पंजीयन किया गया है। 15 नवंबर 2025 से आरंभ उपार्जन प्रक्रिया के तहत अब तक 40,874 किसानों से 19,03,630 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है, जिसका कुल मूल्य 451.50 करोड़ रुपये है। किसानों को त्वरित भुगतान सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। आगामी 15 दिसंबर के लिए 3,035 किसानों को 13,806.62 क्विंटल धान विक्रय हेतु टोकन जारी किए गए हैं। समितियों में सुव्यवस्थित परिवहन, ट्रॉली पार्किंग, तौल मशीनों की उपलब्धता एवं बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित कराई गई है ताकि किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी खरीदी केंद्रों में रजिस्ट्रेशन से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया पारदर्शी रहे तथा प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा अनिवार्य रूप से की जाए। प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले के सभी पंजीकृत किसानों का धान समय पर और समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएए जिससे किसानों को अधिकतम लाभ मिल सके।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा एवं परामर्शदात्री समिति की हुई बैठक

गरियाबंद। कलेक्टर बी.एस. उईके की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर उइके ने जिले में बैंकिंग गतिविधियों से संबंधित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को हितग्राहीमूलक बैंकिंग ऋण सुविधाओं से लाभान्वित करने के निर्देश सभी बैंकिंग अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने बैठक में जिले के सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासकीय विभागों द्वारा प्रकरण प्रेषित किए जाते हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत करें। कृषि, उद्यानिकी, मछलीपालन एवं पशुपालन विभाग द्वारा भेजे गए केसीसी के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करे। कलेक्टर ने हितग्राहीमूलक आवेदनों को शाखा लेवल में लंबित नहीं रखने के निर्देश दिये। कलेक्टर द्वारा जिन बैंक शाखा का ऋण अनुपात कम है उन्हें ऋण अनुपात निर्धारित समय सीमा में पूरा करने को कहा गया। साथ ही प्राथमिकता क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, एमएसएमई ऋण वार्षिक लक्ष्य पूरा करने को कहा गया। कलेक्टर उइके ने जनकल्याणकारी योजनाओं, पीएम जनधन योजना अंतर्गत खोले गए बैंक खातों में आधार एवं मोबाईल सीडिंग तथा रूपे कार्ड वितरण की प्रगति की समीक्षा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने बैंक शाखा स्तर ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पंजीयन करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, अग्रणी बैंक प्रबंधक, महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग, एनआरएलएम प्रतिनिधि, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, खादी ग्रामोद्योग, आदिवासी स्वरोजगार एवं अंत्योदय स्वरोजगार विभाग के अधिकारी एवं विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे। कलेक्टर उइके ने बैठक में प्रधानमंत्री जनधन योजना अंतर्गत खोले गये बैंक खातों में आधार सीडिंग तथा रूपे कार्ड वितरण के प्रगति की समीक्षा की। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की प्रगति, अंत्यावसायी स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, पीएम स्वनिधि योजना की जिले में प्रगति की समीक्षा कर हितग्राहियों को लाभान्वित करने के आवश्यक निर्देश दिये। जिला अंत्यावसायी के कार्यपालन अधिकारी रश्मि गुप्ता ने बैठक में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्यूदय योजना (पीएम-अजय) के बारे में भारत सरकार की केंद्र प्रायोजित सामाजिक कल्याण योजना की जानकारी साझा की जिसका मुख्य उददेश्य अनुसूचित जाति समुदाय के सामाजिक-आर्थिक विकास और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। इसमें अनु. जाति के समुदाय के आजीविका में वृद्धि, कौशल एवं स्वरोजगार विकसीत करना, शिक्षा में सामुदाय की भागीदारी बढ़ाना तथा अनु. जाति के मुख्य आबादी वाले गाँवों में बुनियादी सुविधाओं को सुधार कर जीवन स्तर उन्नत बनाने की दिशा में आत्मनिर्भर बन सकेंगे। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, एजीएम दीपेश तिवारी, एजीएम पंकज सोनटेके, एलडीएम विनीत मोहन खरे, जिला कोषालय अधिकारी प्रेमचंद खलखो, अंत्यावसायी विभाग के कार्यपालन अधिकारी रश्मि गुप्ता, जिला व्यापार एवं उद्योग प्रमुख दिनबंधु ध्रुव, खादी ग्रामोद्योग के पुष्पा कुलदीप, मत्स्य विभाग के प्रमुख एमएस कमल, सहित जिले के समस्त बैंको के प्रबंधक एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जिले में धान खरीदी जोरों पर, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जारी

रायपुर। राज्य शासन के मंशानुरूप महासमुंद जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य अनवरत जारी है। जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों पर किसान सुबह से ही अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दे रहे हैं। अब तक हजारों किसानों ने अपना धान बेचकर राहत की सांस ली है।इसी क्रम में ग्राम धनसुली के किसान सेवाराम तारक ने भी अपनी उपज बेची है। सेवाराम के पास कुल 2 एकड़ खेती है। इस बार उन्होंने 40 क्विंटल धान की बिक्री की है। उन्होंने ऑफ्लाइन टोकन बनवाकर धान उपार्जन केंद्र में जमा किया। सेवाराम तारक ने बताया, इस बार बारिश अच्छी हुई थी, इसलिए उत्पादन ठीक-ठाक रहा। टोकन ऑफ्लाइन बनवाना पड़ा क्योंकि ऑनलाइन स्लॉट नहीं मिल रहा था, लेकिन केंद्र पर कोई परेशानी नहीं हुई समय पर धान बिक गया।जिले में धान खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ सुचारू रूप से चल रही है। धान खरीदी 31 जनवरी 2026 तक चलेगी। किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित मात्रा में ही धान लेकर आएं तथा आधार लिंक मोबाइल नंबर साथ रखें ताकि भुगतान में देरी न हो। जिले में धान उपार्जन का यह सिलसिला किसानों के लिए राहत की खेप बनकर आया है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई रौनक ला रहा है।किसानों को धान बेचने में किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए सभी केन्द्रों में पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई है।

शक के चलते पति ने की पत्नी की निर्मम हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले में पति-पत्नी के रिश्ते को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज हत्या की वारदात सामने आई है। चरित्र पर संदेह के चलते एक पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया, जिसे पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। यह हृदय विदारक घटना कोनी थाना क्षेत्र के लोफंदी गांव की है। जानकारी के अनुसार, बीती रात आरोपी जितेंद्र केवट ने अपनी पत्नी संतोषी केवट पर लोहे के सब्बल से जानलेवा हमला कर दिया। वार इतना घातक था कि गंभीर रूप से घायल महिला की मौके पर ही मौत हो गई।हत्या का कारण: पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी जितेंद्र केवट को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। इसी संदेह को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। अपराध: शक की आग में अंधे होकर आरोपी ने गुस्से में आपा खो दिया और अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। फरार होने की कोशिश: वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घटनास्थल से भाग निकला और दूसरे राज्य पलायन करने की कोशिश में था।

रायपुर साहित्य उत्सव आयोजन के लिए नौ सदस्यीय सलाहकार समिति गठित

रायपुर। अगले वर्ष 23 दिसंबर से नवा रायपुर में होने वाले रायपुर साहित्य उत्सव के लिए राज्य शासन ने सलाहकार समिति का गठन कर दिया है। इस समिति में नौ सदस्य बनाए गए हैं। समिति में सदस्य के रूप में अनंत विजय, डॉ. सुशील त्रिवेदी, सतीश कुमार पंडा, जयमति कश्यप, संजीव कुमार सिन्हा, शंशाक शर्मा, पंकज कुमार झा और विवेक आचार्य को भी शामिल किया गया है। समिति रायपुर साहित्य उत्सव के सफल और प्रभावी आयोजन के लिए विशेष सलाह देगी। इसके साथ ही साहित्यकारों के चयन और आयोजन के विषयों पर भी आयोजकों को सहयोग करेगी। जनसंपर्क संचालनालय के आयुक्त डॉ. रवि मित्तल समिति के सदस्य सचिव होंगे। उल्लेखनीय है कि नए वर्ष की शुरुआत के साथ आगामी महीने रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन नवा रायपुर में 23 से 25 जनवरी तक होगा, जिसमें देश भर से 100 से अधिक प्रतिष्ठित साहित्यकार शामिल होंगे। राज्य स्थापना के रजत वर्ष पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा इस आयोजन की परिकल्पना की गई थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संकल्पना पर आधारित इस आयोजन की व्यापक कार्ययोजना मात्र दो माह में तैयार की गई है। यह तीन दिवसीय महोत्सव 23, 24 एवं 25 जनवरी 2026 को जनजातीय संग्रहालय के समीप आयोजित होगा। इस उत्सव में कुल 11 सत्र शामिल होंगे। इनमें 5 समानांतर सत्र, 4 सामूहिक सत्र, और 3 संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें साहित्यकारों एवं प्रतिभागियों के बीच सीधा संवाद और विचार-विमर्श होगा।

अविवाहित युवती ने दिया स्वस्थ बच्चे को जन्म, 3 प्रेम संबंध से बढ़ी कहानी अब पहुंची पुलिस तक

रायपुर। जिले में एक अविवाहित युवती द्वारा स्वस्थ शिशु को जन्म देने का मामला सामने आया है। जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल से मिले मेमो के आधार पर जिला अस्पताल चैकी पुलिस ने युवती का बयान दर्ज किया है। पुलिस अब मामले की आगे की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, कोरिया जिले के बैकुंठपुर बरबसपुर निवासी 35 वर्षीय मोहन यादव, कोरबा जिले के चोटिया क्षेत्र की एक युवती से प्रेम करने लगा था। मोहन साइकिल रिपेयरिंग का काम करता था, जहां किसी काम से गई युवती से उसकी पहचान हुई।

शासन के 2 वर्ष :जनविश्वास से जनकल्याण तक

शासन की योजनाओं से समग्र विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है छत्तीसगढ़......

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज वर्तमान सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर न्यू सर्किट हाउस सिविल लाइन्स में आयोजित प्रेसवार्ता में राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और उनकी गारंटियों पर विश्वास जताते हुए छत्तीसगढ़ की जनता ने जो सेवा का अवसर दिया, उसे सरकार ने पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निभाया है। दो वर्षों में जनता का भरोसा और अधिक सशक्त हुआ है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार के गठन के दूसरे ही दिन 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी गई। किसानों के लिए 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से तथा 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी जारी है, जिससे खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया गया है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना एक ऐतिहासिक पहल बनी। लगभग 70 लाख माताओं-बहनों को

प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता दी जा रही है। डीबीटी के माध्यम से अब तक 22 किस्तों में 14 हजार 306 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज और वनोपज संग्राहकों के हित में तेंदूपत्ता पारिश्रमिक 4000 से बढ़ाकर 5500 रुपये किया गया है। 13 लाख परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है। चरणपादुका योजना पुनः प्रारंभ की गई है तथा 73 लाख गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपी गई, प्रतियोगी परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर लागू हुआ और आयु सीमा में छूट दी गई। 32 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माओवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ी जा रही है। पिछले दो वर्षों में 505 नक्सली न्यूट्रलाइज, 2386 ने आत्मसमर्पण किया और 1901 गिरफ्तार हुए। सुरक्षा के साथ-साथ विकास के जरिए बस्तर को मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना के तहत सुदूर गांवों में राशन, आधार, आयुष्मान कार्ड, आवास, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई गई हैं। बस्तर में स्कूल पुनः शुरू हुए हैं और इको-टूरिज्म, बस्तर पंडुम तथा बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन नई पहचान बना रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण हेतु श्रीरामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना संचालित की जा रही है। राजिम कुंभ कल्प, बस्तर दशहरा और शक्ति पीठों के विकास को नई भव्यता दी गई है। उन्होंने कहा कि सुशासन को सुदृढ़ करने के लिए 400 से अधिक सुधार किए गए हैं। सुशासन एवं अभिसरण विभाग, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल, ई-ऑफिस और डिजिटल गवर्नेंस के माध्यम से योजनाओं की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापार और उद्योग के लिए नई औद्योगिक नीति लागू की गई है। 231 प्रावधानों को अपराधमुक्त किया गया, जनविश्वास अधिनियम लागू हुआ और अब तक 7.83 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। लॉजिस्टिक पार्क, एयर कार्गो सुविधा और औद्योगिक पार्क स्थापित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी संग्रह में 15 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 23,454 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है। ई-वे बिल सीमा बढ़ाने, 24म7 प्रतिष्ठान संचालन और जिलों में जीएसटी कार्यालय खोलने से व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है।

अवैध धान परिवहन पर जिला प्रशासन का बड़ा प्रहार

रायपुर। संवाददाता

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देश में तथा एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा के सतत मार्गदर्शन में जिले में अवैध धान परिवहन के खिलाफ अब तक की सबसे व्यापक, तेज और प्रभावी मुहिम लगातार जारी है। राजस्व, खाद्य और पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें रातभर फील्ड में रहकर सीमावर्ती इलाकों, नदी मार्गों, आंतरिक सड़कों और खरीदी केंद्रों के आसपास चौबीसों घंटे निगरानी बनाए हुए हैं। इसी सघन कार्रवाई के परिणामस्वरूप अब तक कुल 1800 बोरी धान और 15 पिकअप-ट्रैक्टर वाहन जब्त किए जा चुके हैं, जिन्हें जनकपुर, कोटाडोल और कुंवारपुर पुलिस चौकियों में सुरक्षित रखा गया है। प्रशासन का मानना है कि यदि ये वाहन पकड़ में न आते तो प्रत्येक वाहन कम से कम दस-दस चक्कर और लगाते, जिससे धान चोरी का यह सिलसिला करोड़ों रुपये के नुकसान में बदल जाता। फ्लाइंग स्क्वाड टीम का नेतृत्व नायब तहसीलदार महेंद्र साहू और खाद्य निरीक्षक प्रवीण मिश्रा कर रहे हैं, जो लगातार सीमा पर गहन गश्त कर टीमों को सक्रिय रूप से निर्देशित कर रहे हैं। बीती रात कुरकुटी बॉर्डर पर नदी के रास्ते अवैध रूप से धान ला रही टीम को नायब तहसीलदार कुंवारपुर और खाद्य निरीक्षक भरतपुर की टीम ने दबोच लिया, जिसमें 50 बोरी धान जब्त किया गया। पिछले 22 दिनों की लगातार कार्रवाई में प्रशासन अब तक लगभग 22 लाख रुपये मूल्य का धान अवैध परिवहन करते हुए पकड़ चुका है, जो जिला प्रशासन की दृढ़ता और तत्परता का प्रतीक है। जिले की सीमा और आंतरिक मार्गों पर 12 नाकों की स्थापना कर प्रशासन ने निगरानी को और सख्त कर दिया है, हर आने-जाने वाले वाहन की बारीकी से जांच हो रही है। सभी नौ समर्थन मूल्य खरीदी केंद्रों पर भी कलेक्टर के निर्देशानुसार सुरक्षा और

कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए सभी जिलों में होगीं कविता प्रतियोगिताएं

■ पुरस्कार भी मिलेंगे, जिले के विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल किया जायेगा

रायपुर। संवाददाता

नवा रायपुर में अगले महीने होने वाले साहित्य उत्सव के पहले प्रदेश के सभी जिलों में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए कहानी एवं कविता प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। इन दोनों प्रतियोगिताओं में जिला स्तर पर विजेताओं को पुरस्कार भी मिलेंगे। जिले के विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में शामिल किया जायेगा और सर्वोत्कृष्ठ कहानी तथा कविता को रायपुर साहित्य उत्सव में पुरस्कृत किया जायेगा। इस प्रतियोगिता के लिये जिलेवार नोडल अधिकारी नियुक्त किए जा रहे हैं। प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के इच्छुक छात्र-छात्राएं अपनी स्वरचित कविता और कहानी 30 दिसंबर 2025 तक जिले के नोडल अधिकारी कार्यालय में जमा करा सकते हैं। 30 दिसंबर के बाद मिली कहानियों-कविताओं को प्रतियोगिता में शामिल नहीं किया जायेगा। प्रदेश की समृद्धशाली साहित्यिक विरासत को लोगों तक पहुंचानें और साहित्य लेखन में युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए नवा रायपुर में 23-25 जनवरी 2026 तक रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन होगा। साहित्य उत्सव के तहत जिलेवार महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए आयोजित होने वाली कविता-कहानी प्रतियोगिताओं में पहले पुरस्कार के रूप में 5,100 रूपए, दूसरे पुरस्कार के रूप में 3,100 रूपए और तीसरे पुरस्कार के रूप में 1,500 रूपए की धनराशि दी जाएगी। इसी तरह दोनों प्रतियोगिताओं में 1000-1000 रूपए के तीन-तीन प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जायेंगे।

आत्मसमर्पित नक्सलियों के जीवन में नई रोशनी आत्मसमर्पित 105 नक्सलियों का बना मनरेगा रोजगार जॉब कार्ड

धान खरीदी नहीं करने सरकार पैदा कर रही परेशानी

जहाज का संकट मोदी सरकार की एकाधिकार वाली नीति का परिणाम

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारो से चर्चा करते हुये कहा कि एक कंपनी की हठधर्मिता के कारण आज पूरे देश में जहाजों की उड़ान का संकट पैदा हो गया है। यह मोदी सरकार के एक ही कंपनी को एकाधिकार देने का परिणाम है। मोदी सरकार में सरकारी विमान कंपनी इंडियन एयरलाइंस को बेच दिया आज 97 प्रतिशत भारतीय उड़ानो पर केवल दो कंपनियों का क़ब्ज़ा है उसमे भी लगभग 70 प्रतिशत अकेले इंडिगो का है। सरकार ने नियम बदला और इंडिगो ने देश की विमानन व्यवस्था

को ठप्प कर दिया सरकार बेचारी बनी हुई है। आज इंदिरा गांधी होती तो इंडिगो को उसकी इस धृष्टता की सजा मिल चुकी होती इंडिगो का भारत सरकार अधिग्रहण कर चुका होता। विमान संकट एक चेतावनी है देश में कभी भी इंटरनेट संकट खड़ा हो सकता है, सरकार की नीतियों के कारण आज देश का 90 प्रतिशत इंटर नेट केवल दो कंपनियों जियो और एयर टेल के पास है। देश का अधिकांश कोयला पावर सप्लाई पर अंबानी का एकाधिकार है। मोदी सरकार ने पूरे देश की अर्थ व्यवस्था को निजी हाथों में सौप दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में धान खरीदी चल रही है छत्तीसगढ़ में किसानो की आय का सबसे बड़ा जरिया धान की खेती है। धान खरीदी को ले कर सरकार की नीयत में खोट दिख रहा है। बार-बार आगाह करने के बावजूद सरकार धान खरीदी की अव्यवस्था सुधारना नहीं चाह रही।

जीवन की सफलता केवल डिग्री लेने में नहीं,बल्कि संस्कृति एवं संस्कारों को अपनाकर जीवन जीने में-राजस्व मंत्री वर्मा

रायपुर। दुर्ग जिले के धमधा तहसील अन्तर्गत शासकीय महाविद्यालय पेंड्रावान (धमधा) के नवीन भवन का भूमिपूजन आज प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। चार करोड़ पैंसठ लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस भवन के निर्माण से क्षेत्र के बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना और अधिक सुलभ होगा। समारोह में क्षेत्रीय विधायक ईश्वर साहू, राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, पूर्व विधायक लाभचंद बाफ्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे तथा सुरेंद्र कौशिक सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि और महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि जीवन की सफ्लता केवल डिग्री प्राप्त करने में नहीं है, बल्कि संस्कृति एवं संस्कारों को अपनाकर जीवन जीने में है।

धान की प्राप्त राशि से किसान बिहारी करेंगे बेटियों की शादी

रायपुर। संवाददाता

दुर्ग जिले के जेवराङ्गसिरसा उपार्जन केन्द्र में इस वर्ष धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से जारी है। जहां अब तक 10 हजार क्विंटल धान का उठाव किया जा चुका है। विभिन्न श्रेणियों के धान का नियमित उठाव होने से किसान संतुष्ट दिखाई दे रहे हैं। केन्द्र में किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान खरीदी की जा रही है। इसी क्रम में आज सिरसा खुर्द गांव के 53 वर्षीय किसान बिहारी राम साहू अपने 125 कट्टा मोटा धान लेकर केन्द्र पहुँचे। उपार्जन केन्द्र में बारदाने भरने, तौलने, सिलाई करने और धान को गुणवत्ता के अनुसार स्टैक में व्यवस्थित रखने का कार्य समिति के कर्मचारियों द्वारा लगातार तेजी से किया जा रहा था। इसी बीच श्री साहू के धान की तौल प्रक्रिया जारी थी और उनके चेहरे पर संतोष व प्रसन्नता साफझलक रही थी। बिहारी राम साहू के लिए आज का दिन केवल धान विक्रय का नहीं, बल्कि अपने सपनों के और करीब पहुँचने का दिन भी था। उन्होंने इस साल सवा दो एकड़ में धान की खेती की थी। विशेष बात यह रही कि इस बार उनका पूरा परिवार ऑनलाइन टोकन प्रणाली से जुड़ पाया। उन्होंने बताया कि वे स्वयं मोबाइल चलाने में सहज नहीं हैं, लेकिन उनकी पढ़ी-लिखी बेटियों ने मोबाइल ऐप से पहला टोकन प्राप्त किया। अब सब काम ऑनलाइन होता है, देखो आज मैं टोकन लेकर खड़ा हूँ। बेटियों की इन बातों को याद करते हुए श्री साहू मुस्कुरा उठे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने जीपीएम जिले में ली विभागीय समीक्षा बैठक

जन-हानि, कुपोषण, सिंचाई और जल जीवन मिशन पर दिए निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले के प्रभारी एवं पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास और धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में जिला अधिकारियों की विभागवार समीक्षा बैठक की। बैठक में विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी, पुलिस अधीक्षक श्री एस आर भगत सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री अग्रवाल ने जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति, लक्ष्य और उपलब्धियों पर गहराई से चर्चा की। मंत्री ने वन्य जीवों से जन-हानि की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को तीव्र कार्रवाई के साथ प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता राशि देने के कड़े निर्देश दिए। इस संदर्भ में उन्होंने स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग से आग्रह किया कि वे मिलकर कुपोषण और सिकलसेल जैसी बच्चों की जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। श्री अग्रवाल ने ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्वसहायता समूहों की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर जोर देते हुए बताया कि सरकार उन्हें लखपति दीदी बनाने के लिए हर संभव समर्थन करेगी। उन्होंने बकरी पालन, मछली पालन तथा अन्य आजीविका साधनों के माध्यम से रोजगार के मौके बढ़ाने के भी निर्देश दिए। सिंचाई सुविधा के महत्व को बताते हुए मंत्री ने एनीकट निर्माण और नहर लाइनिंग के काम को संपूर्ण तथा गुणवत्तापूर्ण कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सिंचाई सुविधा के विस्तार के लिए सबसे पहले भू-अर्जन कार्य पूर्ण करना

आवश्यक है, जिससे किसानों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त हो सके। जल जीवन मिशन के तहत नल-जल योजना के कार्यों में कोई सुधार होने में विलंब न हो, इसके लिए उन्होंने रिवाइज्ड स्टीमेट बनाकर सभी स्वीकृत कार्य दिसंबर 2026 तक पूरी तरह करने का लक्ष्य निर्धारित किया। मंत्री ने लो-वोल्टेज समस्या से संबंधित जानकारी लेते हुए कार्यपालन अभियंता सीएसपीडीसीएल से इस पर की गई पहल का जायजा लिया और स्वयं फोन पर उच्चाधिकारियों से भी बातचीत कर गौरेला विकासखंड के ग्राम गिरवर में सबस्टेशन शीघ्र बनने की स्वीकृति की पुष्टि की। शासन की योजनाओं का लाभ सीधे अंतिम लाभार्थी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि सभी विभागों को पारदर्शिता के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत सामुदायिक शौचालयों तथा 100 प्रतिशत घरों में शौचालय निर्माण, उज्ज्वला गैस कनेक्शन वितरण, और पीएम जनमन योजना के सफ्ल क्रियान्वयन के प्रति सभी अधिकारियों को सजग रहने को कहा। मंत्री ने कलेक्टर से राज्य सरकार को भेजे गए सड़क निर्माण के प्रस्तावों की सूची उपलब्ध कराने का आग्रह किया ताकि वे बजट आवंटन के लिए सक्रिय रूप से पहल कर सकें। इसके अलावा, उन्होंने निर्माण और विकास कार्यों के भूमि पूजन, शिलान्यास व लोकार्पण समारोहों में विधायक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सम्मानित करने के निर्देश दिए, जिससे कार्यों में जनभागीदारी और पारदर्शिता बनी रहे। बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण द्वारा योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी, जिससे वर्तमान स्थिति, उपलब्धियां तथा आगामी कार्ययोजना स्पष्ट हुई।

संपादकीय

उड़ान का संकट ! जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है

पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने से विमानन कंपनी इंडिगो में उपजा उड़ान परिचालन का संकट इस फैसले को वापस लेने के बाद भी थमता नजर नहीं आया। शनिवार को कंपनी की साढ़े आठ सौ से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि शुक्रवार को देश भर के विभिन्न हवाईअड्डों से एक हजार से अधिक उड़ानें निरस्त कर दी गई थीं। इससे न केवल यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हो रही है, बल्कि उन्हें दूसरी उड़ानों की यात्रा टिकट हासिल करने के लिए कई गुना अधिक दाम चुकता करने पड़ रहे हैं।हालांकि, इस समस्या के निराकरण के लिए सरकार ने अब फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा 7,500 रुपए से 18,000 रुपए तक सीमित कर दी है। मगर उड़ानों के परिचालन का संकट दूर करने के लिए पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने का जो फैसला वापस लिया गया है, क्या इस मसले की संवेदनशीलता को देखते हुए उस पर फिर से विचार किया जाएगा? यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि आखिर इंडिगो में ही यह संकट क्यों और कैसे पैदा हुआ।दरअसल, पायलटों का संगठन लंबे समय से साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने की मांग कर रहा था। उनका कहना था कि लगातार काम के दबाव की वजह से उन्हें थकान समेत कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर नागर विमानन महानिदेशालय ने हाल में नई नियमावली जारी कर पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय में बारह घंटे की बढ़ोतरी कर उसे अड़तालीस घंटे कर दिया था। इसके बाद इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने का सिलसिला शुरू हो गया।कंपनी का तर्क था कि नए नियमों के लागू होने से ज्यादा पायलट अवकाश पर हैं, जिससे उड़ानों का परिचालन बाधित हुआ है। मगर, इस बात पर गौर करना जरूरी है कि नए नियम सभी विमानन कंपनियों पर लागू थे! दूसरा, इस बात पर भी गहराई से विचार करने की जरूरत है कि उड़ान के दौरान पायलटों की संवेदनशीलता और सक्रियता बेहद महत्त्वपूर्ण होती है, जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में उनके पूरी तरह स्वस्थ रहने के लिए उन्हें जरूरी आराम की सुविधा का पहलू भी अहम है।एक और समस्या है जो उड़ानों के संकट के बीच अक्सर हवाई यात्रियों को परेशानी और चिंता में डाल देती है, वह है किराए में अचानक बढ़ोतरी। यह इसलिए है, क्योंकि विमानन कंपनियों पर किराए की सीमा को लेकर कोई स्पष्ट नियम लागू नहीं है। इसी कारण शनिवार को स्पाइसजेट की कोलकाता-मुंबई की एक तरफ की यात्रा के लिए 'इकोनामी' श्रेणी के हवाई टिकट की कीमत नब्बे हजार रुपए तक पहुंच गई,

इंडियन एविएशन समस्या, वर्षों से सुलग रही समस्या शोले बनकर सामने आई, सरकार दिखाए दृढ़ता

इंडियन एविएशन सेक्टर आज जिस स्थिति में खड़ा है, उसे देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत की आसमान में उड़ान भरने की महत्वाकांक्षा और उसकी जमीनी हकीकत के बीच बेहद गहरा अंतर है। बीते दशक में भारत ने एविएशन के बुनियादी ढांचे, एयरपोर्ट्स, क्षेत्रीय संपर्क और यात्रियों की संख्या के लिहाज से अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की है, लेकिन एयरलाइंस के ऑपरेशन्स, फाइनेंशियल स्टेबिलिटी और कम्पेटिटिव एनवायरमेंट के मोर्चे पर तीव्र संकट से गुजर रहे है। यह विरोधाभास जितना चौंकाने वाला है, उतना ही चिंताजनक भी। भारत में एविएशन सेक्टर में विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन यह विकास टिकाऊ तभी होगा, जब मार्केट स्ट्रक्चर हेल्दी हो, नीतियां संतुलित हों और रेगुलेशन स्ट्रॉन्ग हो। आज की स्थिति में इंडिगो जैसी कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी।

(विनोद पाठक)

भारत सरकार को यात्रियों के अधिकारों को केंद्र में रखकर नई नीति बनानी होगी। यह संकट चेतावनी है, यदि इसे समय रहते न सुना गया तो भारत की उड़ानें बढ़ती जरूर दिखेंगी, लेकिन उड़ान भरने का आत्मविश्वास लगातार कम होता जाएगा।

आज एविएशन सेक्टर में जिस प्रकार की अस्थिरता और अनिश्चितता बढ़ी है, वह किसी एक कंपनी की विफलता नहीं, बल्कि उद्योग के स्ट्रक्चरल डिफेक्ट का रिजल्ट है। एयरलाइंस की आर्थिक सेहत बिगड़ चुकी है, किराए आसमान छू रहे हैं और यात्रियों का भरोसा लगातार कमजोर पड़ रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इस संकट को केवल कंपनियों की विफलता न मानकर, इसे व्यापक नीतिगत असंतुलन और बाजार संरचना की समस्या के रूप में देखा जाए।

दरअसल, भारत का एविएशन संकट अचानक नहीं आया। यह कई वर्षों से पैदा होती रही उन समस्याओं का परिणाम है, जिन्हें समय रहते संबोधित नहीं किया गया। इनमें सबसे बड़ी समस्या प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों की तकनीकी खामियों से जुड़ी रही, जिसने इंडिगो और गो फर्स्ट जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को गहरी ऑपरेशन क्राइसिस में धकेल दिया।

इंडिगो के भी 70 से अधिक विमान खड़े हो गए, जो कि उसकी कुल क्षमता का बड़ा हिस्सा है। एक ही इंजन निर्माता पर अत्यधिक निर्भरता ने भारतीय एयरलाइंस को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया कि तकनीकी समस्या का आर्थिक और ऑपरेशन डिजास्टर में बदलना तय था।

दूसरी तरफ, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों ने एयरलाइंस की कमर तोड़ दी है। एयरलाइन ऑपरेशन में ईंधन का खर्च 35-40 प्रतिशत होता है और वर्ल्ड मार्केट में उतार-चढ़ाव के कारण यह लागत तेजी से बढ़ती गई। रुपया भी डॉलर के मुकाबले कमजोर होता गया, जबकि किराया, लीज पेमेंट और मेंटेनेंस जैसी लगभग सारी लागतें डॉलर में होती हैं।

इससे एयरलाइंस पर फाइनेंशियल प्रेशर कई गुना बढ़ गया, लेकिन तकनीकी और आर्थिक समस्याओं से परे, एक तीसरी समस्या भी उतनी ही गंभीर है, कर्मचारियों का बढ़ता असंतोष।

विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी एयरलाइंस में पायलटों व केबिन क्रू द्वारा अचानक 'सिक लीव' पर चले जाने की घटनाओं ने उद्योग की गहरी आंतरिक अस्थिरता को उजागर किया था। किसी भी कंपनी में विलय एक संवेदनशील प्रक्रिया होती है और स्पष्ट संवाद के अभाव में यह तय था कि कर्मचारी असंतोष खुले विद्रोह में बदल जाएगा।

वैसे, इंडियन एविएशन क्राइसिस का सबसे बड़ा परिणाम मार्केट स्ट्रक्चर में आया परिवर्तन है। आज इंडिगो न केवल भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है, बल्कि इसका वर्चस्व चिंताजनक रूप से बढ़ गया है। इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है, जो किसी भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धी बाजार के लिए बेहद खतरनाक संकेत है।

गो फर्स्ट के संचालन बंद होने और स्पाइसजेट की लगातार आर्थिक समस्याओं के चलते इंडिगो का वर्चस्व और बढ़ा है। टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया, विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस का विलय एक नए शक्ति केंद्र का निर्माण कर रहा है। इंडिगो और टाटा समूह मिलकर इंडियन स्पेस के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर कंट्रोल स्थापित कर चुके हैं।

यह स्थिति न तो प्रतिस्पर्धा के लिए ठीक है, न ही यात्रियों के हितों के लिए, क्योंकि कम प्रतिस्पर्धा का सीधा अर्थ है, ऊंचे किराए, अस्थिर समय-सारणी और यात्रियों के अधिकारों की अनदेखी। विश्व के कई देशों में मोनोपॉली या डूओपॉली को रोकने के लिए कठोर एंटी-ट्रस्ट नियम हैं, लेकिन भारत में एविएशन सेक्टर इन नियमों से प्रभावी रूप से अछूता है, जिसके परिणाम आज साफ दिखाई दे रहे हैं। इस बात को कुछ यूं समझ सकते हैं। भारत सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा की रक्षा के लिए कुछ नए नियम लागू करने की कोशिश की, जिनमें उड़ान रद्द होने या लंबी देरी की स्थिति में अनिवार्य मुआवजा, क्रू की कमी के कारण रद्द उड़ानों पर पेनल्टी और टिकट मूल्य में पारदर्शिता जैसे प्रावधान शामिल थे, लेकिन इंडिगो सहित कुछ प्रमुख एयरलाइंस ने इन नियमों को लागू करने में स्पष्ट अनिच्छा दिखाई। एयरलाइंस ने तर्क दिया कि इन नीतियों से ऑपरेशन लागत बढ़ेगी और उनका व्यवसाय प्रभावित होगा। उद्योग लॉबी के दबाव में कुछ नियमों को आगे बढ़ा दिया गया या नरम कर दिया गया। यह स्थिति बताती है कि जब तक सरकार यात्री अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाकर नियमों को सख्ती से लागू नहीं करेगी, तब तक एयरलाइंस की मनमानी पर रोक लगाना मुश्किल होगा। हमें यह स्वीकार करना होगा कि भारत सरकार ने एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार में प्रभावशाली कार्य किया है। वर्ष 2014 से अब तक एयरपोर्ट्स की संख्या 74 से बढ़कर 150 से अधिक हो चुकी है। उड़ान योजना ने क्षमता निर्माण का नया अध्याय शुरू किया और छोटे शहरों को देश की हवाई मानचित्र पर लाया, लेकिन यही तस्वीर दूसरी तरफ से अधूरी है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) लगातार कमजोर साबित हुआ है। गो फर्स्ट के गिरने से पहले उसके फाइनेंस और ऑपरेशनल इंडिकेटर्स की पहचान करना डीजीसीए की जिम्मेदारी थी, जो पूरी तरह विफल रही। यह डीजीसीए की ऐतिहासिक चूक थी। एटीएफ को जीएसटी के दायरे में न लाने का फैसला भी एविएशन सेक्टर की सेहत पर भारी पड़ रहा है। वर्ल्ड मार्केट में जहां फ्यूल पर टैक्स मिनिमम होता है, भारत में यह एक्सेसिव टैक्सेशन का शिकार है। इससे भारतीय एयरलाइंस कभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी नहीं बन पातीं। सरकार ने एयरलाइंस में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। नई कंपनियों के लिए लाइसेंस प्रक्रिया जटिल और महंगी है, जबकि पुरानी कंपनियों के पतन को रोकने के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं है। इससे एविएशन सेक्टर दो बड़े खिलाड़ियों के कब्जे में सिमटता जा रहा है। इससे यात्रियों के लिए इंडियन एविएशन सेक्टर का यह संकट गहरे आर्थिक और सामाजिक प्रभाव लेकर आया है। किराए 30-50 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। छोटे मार्गों पर प्रतिस्पर्धा लगभग खत्म हो गई है। बड़े मार्गों पर किराए कभी-कभी दो से तीन गुना तक बढ़ जाते हैं। उड़ानों का रद्द होना अब सामान्य बात हो गई है। कंपनियों द्वारा जारी सॉरी संदेश यात्री के समय, धन और उद्देश्य की भरपाई नहीं कर सकते। यूरोप में उड़ान रद्द होने पर यात्रियों को 250 से 600 यूरो (26 हजार से 63 हजार रुपए) तक का मुआवजा मिलता है। भारत में ऐसी कोई सशक्त व्यवस्था नहीं है। एयरलाइंस बिना पेनल्टी के उड़ान रद्द कर सकती हैं और यात्रियों को केवल ई-मेल माफी या वाउचर पकड़ा कर बात खत्म कर दी जाती है। यह स्पष्ट है कि भारत में यात्री अधिकारों का ढांचा बेहद कमजोर है। रेगुलेटरी संस्था को कंपनियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई का अधिकार होना चाहिए, जो फिलहाल लगभग नगण्य है। भारत यदि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बनना चाहता है तो उसे नीतियों को विस्तार से परे जाकर गहराई में सुधारना होगा। सबसे पहला उपाय होना चाहिए, एटीएफ को जीएसटी में लाना, दूसरा डीजीसीए को अधिक स्वायत्त, सशक्त और उत्तरदायी संस्था बनाया जाए, तीसरा यात्रियों को यूरोपीय मॉडल की तरह मुआवजे का कानूनी अधिकार मिले और चौथा नए खिलाड़ियों के प्रवेश को सरल बनाया जाना चाहिए, ताकि प्रतिस्पर्धा बनी रहे। एयरलाइंस को भी अपनी ऑपरेशनल स्ट्रक्चर सुधारनी होगी। इंजन सप्लायरों पर निर्भरता कम करनी होगी और कर्मचारियों के साथ संवाद मजबूत करना होगा, ताकि सामूहिक असंतोष परिचालन ठप न करे। कुल मिलाकर भारत जैसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट में कंपनियों की सहूलियत नहीं, यात्रियों की सुरक्षा और अधिकार नीति का केंद्र होना चाहिए। सरकार को इस दिशा में दृढ़ता दिखानी ही होगी। यह लेखक के निजी विचार हैं।

नए साल का जश्न- भीड़ से दूर, सुकून भरे ये 5 डेस्टिनेशन्स बनाएंगे 2025 को यादगार

(दिव्यांशी भदौरिया)

नए साल 2026 के स्वागत के लिए भीड़भाड़ से दूर, शांति और सुकून का अनुभव देने वाली भारत की 5 बेहतरीन जगहें बताई गई हैं। उत्तराखंड का लैंडोर, हिमाचल की तीर्थन वैली, कर्नाटक का गोकर्ण, मध्य प्रदेश का ओरछा और अरुणाचल की जीरो वैली, ये सभी डेस्टिनेशन यादगार न्यू ईयर मनाने के लिए उपयुक्त हैं।

नए साल के जश्न में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए बिल्कुल सही है। न्यू ईयर का जश्न शानदार तरीके से मनाने के लिए आप । फैमिली और दोस्तों के साथ इन 5 खूबसूरत और शांत जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।। अगर आप कम भीड़ वाली जगहों की तलाश में हैं, तो यह लेख आपके लिए है। भारत की 5 ऐसी बेहतरीन जगहें, जहां आप मजेदार न्यू ईयर मना सकते हैं। साल 2025 का आखिरी महीना शुरू हो चुका है और कुछ ही दिनों में हम सभी नए साल 2065 का स्वागत करेंगे। ऐसे में न्यू ईयर मनाने के लिए समय कम बचा है। यदि आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ घूमने की सोच रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके काम आएगा। भीड़भाड़ से दूर न्यू ईयर मनाने के लिए आप भारत की इन खूबसूरत जगहों को ज़रूर चुनें। नए साल का जश्न और यादगार बनाने के लिए इन 5 डेस्टिनेशन्स पर जरूर जाएं।

लैंडोर, उत्तराखंड

अगर आपको भी पहाड़ों पर घूमने का शौक है, तो आप लैंडोर आपके लिए जन्नत से कम नहीं है। मसूरी से कुछ ही ऊपर बसा है यह छोटा-सा कस्बा शांति और पुरानी ब्रिटिश वास्तुकला के लिए फेमस है। यहां पर आपको देवदार के घने जंगल हैं और हवा में एक अलग ही जादू है। यहां आप शानदार तरीके से न्यू ईयर का जश्न मना सकते हैं।

तीर्थन वैली, हिमाचल प्रदेश

यदि आप प्रकृतिक नजारों का आनंद लेना चाहते हैं, तो आप कुल्लू और मनाली नहीं, बल्कि तीर्थन वैली घूमने का प्लान बना सकते हैं। यहां पर बहती नदी की कल-कल आवाजें और लकड़ी के सुंदर घर आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। यह जगह ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के नजदीक है। इधर आप फिशिंग कर सकते हैं, ट्रेकिंग और नदी किनारे बैठ सकते हैं।

गोकर्ण, कर्नाटक

अगर आप बीच लवर है तो आप गोवा को भूल जाइए, इसकी जगह गोकर्ण घूमने जा सकते हैं। यहां पर ओम बीच और पैराडाइज बीच पर सनसेट का सुंदर नजारे को देख सकते हैं। गोकर्ण में पार्टी का माहौल और आध्यात्मिकता की शांति भी मिलती है। यहां पर आप समुद्र की लहरों की आवाज सुनते हुए रेत पर नंगे पैर चलकर अपने नए साल का स्वागत कर सकते हैं।

ओरछा, मध्य प्रदेश

यदि आपको इतिहास और शाही अंदाज के अत्यधिक शौकीन हैं, तो मध्य प्रदेश का ओरछा शहर जरुर घूमने का प्लान बनाएं। यह बेतवा नदी किनारे बसा हुआ एक शहर जो कि आपको समय से पीछे ले जाएगा। यहां किले, महल और छतरियां देखने लायक बनती हैं। शाम को नदी के किनारे बैठकर सनसेट नजारे का आनंद ले सकते हैं। यहां की वास्तुकला भी बेहद शानदार है।

जीरो वैली, अरुणाचल प्रदेश

आपको एकदम हटके और अनोखा एक्सपीरिएंस लेना है, तो नॉर्थ-ईस्ट की तरफ जा सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की जीरो वैली अपनी हरियाली और आदिवासी संस्कृति के लिए लोकप्रिय है। यहां पर मौजूद हरे-भरे चावल के खेत और ऊंचे पाइन के जंगल किसी खूबसूरत पेंटिंग की तरह दिखाई देते हैं। यह जगह इतनी शांत और सुकूनभरी है कि आपको अपनी धड़कनों की आवाज तक सुनाई दे सकती है। इसलिए नए साल की शुरुआत शांत और सुकून वाली जगहों से करें।

आर्कटिक के खजाने + ब्रिक्स की नई करेंसी- पुतिन की भारत यात्रा से दुनिया में क्यों हलचल ?

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दौरा भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है। रूस यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के बाद यह ऐसा पहली बार है जब पुतिन भारत आ रहे हैं। पुतिन का यह दौरा न केवल पारंपरिक ऊर्जा जैसे तेल, गैस व रक्षा सहयग तक सीमित है, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, स्वास्थ्य, कृषि जैसे कई मोर्चों पर दोनों देशों की साझेदारी को आगे बढ़ाने की एक बड़ी योजना है। इस दौरान दोनों देशों ने 2030 तक व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य भी रखा है। व्लादिमीर पुतिन का यह भारत दौरा केवल एक मुलाकात भर नहीं, बल्कि यह दोनों देशों के रिश्तों में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह विश्व के बदलते समीकरण को भी नए सिरे से परिभाषित करने का काम करेगा।

(संकल्प सिंह)

भारत, रूस संबंध और अमेरिका के लिए चुनौतियां भारत, रूस और चीन का करीब आना अमेरिका के लिए कहीं न कहीं एक बड़ी चिंता है। व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा अमेरिका समेत यूरोप के कई देश करीब से ऑब्जर्व कर रहे हैं। पिछले साल भारत और रूस, साथ ही अन्य ब्रिक्स देश कजान में इकट्ठा हुए थे। इस दौरान डॉलर के प्रभुत्व को कम करने की दिशा में नई करेंसी लाने पर योजना बनाने को लेकर बात की गई थी। इन सब के अलावा सम्मेलन में अमेरिका और पश्चिमी देशों को चुनौती देने के लिए बहु ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाए जाने पर जोर दिया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिम की ओर से रूस के ऊपर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए। इसके अलावा अमेरिका ने उन देशों पर करीबी से निगरानी की जो रूस से तेल, गैस या अन्य संसाधन लेते हैं। इन सबके बाद भी भारत ने रूस से लगातार तेल खरीदना जारी रखा। यह सब अमेरिका और पश्चिमी देशों को बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा था। ब्रिक्स में नई करेंसी की बात करना और अमरिका के खिलाफ जाकर भारत का लगातार रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीदना इन्हीं सब चीजों को देखते हुए अमेरिका ने भारत के ऊपर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया। इन सब चुनौतियों के बाद भी भारत और रूस का करीब आना एक नए ग्लोबल शिफ्ट के रूप में देखा जा रहा है। यह स्पष्ट करता है कि भारत पश्चिम के दबाव में आकर अपनी विदेश नीति तय नहीं करेगा। भारत की विदेश नीति के केंद्र में उसके राष्टीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास प्राथमिकता में हैं। इन सबके बीच पुतिन की भारत यात्रा एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करती है। अमेरिका को यह डर है कि भारत रूस संबंधों में मजबूती, रूस, चीन और भारत के बीच रणनतिक साझेदारी को बढ़ाने का काम करेगी। इससे भविष्य में अमेरिका और पश्चिमी देशों का जो प्रभुत्व है, वह कमजोर हो सकता है। हालांकि, हमें कुछ और बातों पर गौर करने की जरूरत है क्योंकि रूस के साथ बढ़ती दोस्ती सिर्फ हमारे लिए लाभ तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें कई चुनौतियां भी हैं। भारत रूस को 4.9 बिलियन डॉलर का निर्यात करता है, वहीं रूस से करीब 63.8 बिलियन डॉलर का आयात करता है, यानी कुल व्यापार घाटा करीब 59 बिलियन डॉलर है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस असंतुलन को कैसे संतुलित किया जाए यह सबसे बड़ी चुनौती है। हालांकि, दोनों देशों के बीच इसको लेकर बात की जा रही है। व्लादिमीर पुतिन का यह दौरा केवल द्विपक्षीय नहीं है बल्कि यह एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की नींव में एक अहम कड़ी साबित हो सकता है। इन सबके अलावा रूस के उत्तर में स्थित आर्कटिक क्षेत्र तेजी से पिघल रहा है। यहां दुनिया के सबसे बड़े अछूते प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं। यहां बड़ी मात्रा में तेल भंडार, प्राकृतिक गैस, रेयर अर्थ मिनरल्स और कई दूसरे प्राकृतिक संसाधन मौजूद हो सकते हैं। भारत रूस का ऊर्जा सहयोगी है। रूस का आर्कटिक क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण है। इस कारण रूस के साथ दोस्ती से हमें कई बड़े फायदे हो सकते हैं। भारत, रूस के आर्कटिक तेल गैस क्षेत्रों में निवेश कर सस्ता और स्थायी ऊर्जा स्रोत पा सकता है। इसके अलावा रेयर अर्थ मिनरल्स की मदद से हम अपने देश में हाई-टेक इंडस्ट्री को ग्रोथ दे सकते हैं। आर्कटिक का पिघलना भले ही पर्यावरणीय खतरा है, पर रणनीतिक रूप से भारत के लिए नए अवसर भी खोल सकता है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

दीदी हैं तो भरोसा है : ग्रामीण

रोजगार सहायक ने पीएम आवास की राशि में की हेराफेरी, ग्रामीणों ने की आयोग सदस्य से शिकायत

सुकमा। जिले के विकास खण्ड छिंदगढ़ के ग्रामपंचायत मारेंगा में पीएम आवास के हितग्राहियों के कथनानुसार वहां के पंचायत कर्मियों ने उनकी मजदूरी की राशि का गबन कर लिया है जिसकी शिकायत करने दो दर्जन से अधिक ग्रामीण जिला मुख्यालय में जाकर दीपिका शोरी सदस्य,छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग से की है । दीपिका ने उनकी बातों को गम्भीरता पूर्वक सुना व तत्काल कलेक्टर देवेश ध्रुव एवं सीईओ जिला पंचायत मुकुंद ठाकुर से बात की व सभी ग्रामीणों लेकर जिला पंचायत पहुंच कर सीईओ से भेंट कर इस प्रकरण को विशेष प्राथमिकता में रखते हुए तत्काल निराकरण करने हेतु कहा। सीईओ मुकुंद ठाकुर ने तत्काल इस प्रकरण की जांच हेतु चार सदस्यीय टीम गठित कर उचित जांच करके हितग्राहियों को जल्द न्याय प्राप्त हो इस विषय में कर्मचारियों को निर्देशित किया साथ उक्त पंचायत के रोजगार सहायक के कार्यकाल के समस्त कार्यो की बारिखी से जांच कर नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही करने की बात की। गोपाल नाग, घासीराम बघेल,मनीराम नाग, रानुराम नाग, लालाराम, भीमाराम, धनसिंह, महादेव, रामूराम, घासीराम, महादेव, सोमारू, सोनेराम, सोमाराम, बुधराम, शिवकुमार, चेतन नाग, बुधराम व धनसिंह नाग ने कहा कि हम लोग बहुत परेशान हैं गरीब लोग हैं अपने ही आवास में मजदूरी किया, पर आजतक मजदूरी नहीं मिली जब हम लोगों ने जनपद छिंदगढ़ में एक हितग्राही के आवास का मस्टररोल निकाला तो पता कि हमारी मजदूरी अन्य लोगों के बैंक खाते में डाल दिया गया है जिन्होंने कोई काम ही नहीं किया था, तब हम लोगों ने दीपिका दीदी से मिलकर राशि दिलाने की निवेदन किया, दीदी ने भी कार्यवाही करते हुए कलेक्टर एवं सीईओ से बात की व कार्यवाही करवाने की बात की, हम सभी को दीदी हैं तो भरोसा है।

अमृत योजना के तालाब में मजदूरी के बदले मिली साउंड सिस्टम-ग्रामीण

इस शिकायत साथ ही ग्रामीणों ने रोजगार सहायक की एक अन्य कार्य की शिकायत करते हुए बताया कि कांग्रेस की सरकार के समय अमृत योजना के तहत हमारे ग्राम में हम सबने बहुत ही मेहनत करते हुए अमृत तालाब में मजदूरी की थी परन्तु सम्पूर्ण मजदूरी की जगह जिम्मेदार लोगों ने हमें 40 हजार का एक साउंड सिस्टम पकड़ा दिया व मजदूरी आजतक नहीं दी।

मजदूरों से छल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा होगी दण्डात्मक कार्यवाही : दीपिका

इस विषय पर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने कहा कि मजदूरों से छल कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, जांच के दौरान अगर किसी भी प्रकार से अनियमितता निकल कर आती है तो समस्त जिम्मेदारों पर दण्डात्मक कार्यवाही होगी।

अनंतपुर थाना क्षेत्र के कोटवारों का बैठक थाना को तत्काल सूचना देने दी समझाईश

कोण्डागांव। थाना क्षेत्र के कोटवारों का मीटिंग लिया गया मीटिंग में कोटवारों को मुसाफिर रजिस्टर बनाकर गांव में बाहर से आने-जाने वाले फेरी वालों, कबाड़ी सामान खरीदने वाले, कुर्सी बेचने वाले, बाहर से मजदूरी के लिए आने वालों का नाम दर्ज करने एवं सभी कोटवारों को गांवों में होने वाली घटना, विवाद, आदि के बारे में थाना को तत्काल सूचना देने समझाईश दिया गया। आपकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है, अगर कोई अनजान व्यक्ति आपसे खाते की जानकारी मांगे, तो तुरंत थाना अनंतपुर पुलिस को सूचित करें, सुरक्षा ही बचाव है, अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखने, थाना क्षेत्र के सभी कोटवारों को सतर्क रहने एवं गांवों में मुनियादी करने हिदायत दिया गया।

नगर पालिका परिषद क्षेत्र में अमृत मिशन 2.0 के तहत किया जा रहा पाइप लाइन बिछाने का कार्य

कोण्डागांव। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में अमृत मिशन 2.0 के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य शहर में किया जा रहा है उपरोक्त स्थल में पाइप लाइन बिछाने का कार्य व्यस्त आवाजाही को ध्यान में रखते हुए रात्रि कालीन शिफ्ट वाइस कार्य किया गया और पाइपलाइन का फीलिंग एंड डस्ट फीलिंग के कार्य किया गया हाइड्रो टेस्टिंग के बाद रेस्टोरेशन का कार्य जल्दी प्रारंभ करने के बाद सड़क मरम्मत का कार्य भी साथ में ही किया जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल एवं उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी ने इस योजना के तहत विकास कार्य में नागरिकों को परेशानी होने की संभावना व्यक्त करते हुए अमृत मिशन 2.0 योजना कोण्डागांव में जल आपूर्ति का काम तेजी से कार्य करने कहाँ गया है एवं कोंडागांव नगर के नागरिक को जल्द ही कोंडागांव बांध से मिलने वाला शुद्ध और सुरक्षित पेयजल के माध्यम से सीधे उनके घरों तक पहुंचेगा भारत सरकार की मिशन अमृत 2.0 योजना के तहत कोंडागांव में 102 करोड रुपए की लागत से जलप्रदय को योजना तेजी से आकर ले रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लगभग 54: कार्य पूर्ण कर लिया गया है और आगामी वर्ष के भीतर इस लक्ष्य को पूर्ण करने का निर्धारण किया गया है इस योजना के तहत को साथ ठंड बढ़ जो कि नगर से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित है सेजल लाकर उसे 9 एमएलडी क्षमता वाले आधुनिक वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में शुद्ध किया जाएगा इसके पश्चात यह जल नगर में मौजूद पांच मौजूद पानी टंकी और निर्माण अधीन दोनों हुआ है टंकियां के माध्यम से नागरिकों तक पहुंचाया जाएगा जिसके तहत् कोंडागांव शहरी क्षेत्र में 9895 नल कनेक्शन दिया जाना है जिसके तहत् 4000 कनेक्शन दिया जा चुका है।

खनिज तस्कर जिले में मासूम बच्चों के लिए खोद रहे हैं मौत का गड्ढा

कोण्डागांव। जिले मे गौड खनिज उत्खनन करने वाले खनिज तस्कर इतने बेखौफ है कि जिला मुख्यालय में हफ्ते भर पहले ही हुई गड्ढे में डूब कर मासूम बच्चे की मौत से भी सबक नहीं ले पा रहे हैं, अंधाधुन अवैध गौण खनिज उत्खनन के चलते मनमानी तरीके से कहीं पर भी उत्खनन करने से बाज नहीं आ रहे हैं वहीं जिले मे खनिज माफिया अवैध गौड खनिज उत्खनन करते इतने बेखौफ है कि 15 से 20 फिट जमीन के निचे खुदाई करने मे भीं गुरेज नहीं करते एक तरफ खनिज माफिया करवा रहा उत्खनन , दूसरी तरफ उन गड्ढे में डुबकी लगाते दिखे मासूम बच्चे ऐसा ही एक नजारा कोंडागांव जिले से लगे कोपाबेड़ा में नजर आया जहाँ एक खनीज माफिया के द्वारा बाकायदा चेन माउंटेन का प्रयोग करते हाइवा गाड़ियों से गौड खनिज उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा था बड़ी बात यह थी कि एक तरफ खनिज माफिया की उत्खनन मशीन चल रही थी तो वहीं पर उस मशीन के खुदाई से निर्मित गड्ढे में नव ननिहाल मासूम बच्चे डुबकियां लगा रहे थे जिसकी सूचना राहगीरों के द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों व मीडिया कर्मियों को दी गई, वहीं सूचना पर राजस्व विभाग के आला अधिकारी अमला सहित मौके पर पहुंचा था बताया जा रहा है कि उक्त भूमि रूप राय पिता मेहतर का है वहीं उक्त गडढा जिस पर बच्चे नहा रहे थे वों गड्ढा खनिज परिवहन करने वाले भू माफिया के द्वारा बर्तन धोने के लिए खोदा गया था बड़ी बात यह है कि खनिज उत्खनन के दौरान भी छोटे बच्चे उस गड्ढे में डूबकियां लगा लग रहे थे जहाँ उन्हें रोकने वाला भी कोई नहीं था जिसके चलते बड़ी घटना की बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता था। मौके पर पहुंची डिप्टी कलेक्टर रश्मि पोया ने बताया कि मामले पर जांच की जा रही है नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बाईचुंग भूटिया की उपस्थिति से बस्तर में छाया उत्साह

जगदलपुर। संभाग स्तरीय बस्तर ओलम्पिक का भव्य समापन समारोह इस बार एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना। इस अवसर पर भारतीय फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक, बाईचुंग भूटिया ने कार्यक्रम में शिरकत की, जिनकी उपस्थिति ने पूरे माहौल में एक नई ऊर्जा का संचार कर दिया। अपने चहेते खिलाड़ी को अपने बीच पाकर बस्तर के नौजवान खिलाड़ी अत्यधिक उत्साहित और रोमांचित हो उठे। बाईचुंग भूटिया, जिन्हें भारतीय फुटबॉल में सिक्किमी स्निपर के नाम से जाना जाता है, विशेष रूप से संभाग स्तरीय बस्तर ओलम्पिक के समापन अवसर पर जगदलपुर पहुँचे थे। उन्होंने केवल अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई, बल्कि खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर व्यक्तिगत रूप से उनका उत्साह बढ़ाया और खेल के प्रति उनके समर्पण तथा जुनून की सराहना की। बाईचुंग भूटिया का नाम भारतीय फुटबॉल के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। वह यूरोपियन क्लब (इंग्लैंड के बरी फुटबॉल क्लब) के लिए खेलने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बने थे, जिसने भारतीय प्रतिभा के लिए वैश्विक द्वार खोले। लंबे समय तक भारतीय राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करने और 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का उनका रिकॉर्ड प्रेरणास्रोत है। खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार और देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया है।

सरस्वती साइकिल योजना के तहत हायर सेकेंडरी स्कूल एड़का में छात्राओं को किया गया निःशुल्क साइकिल वितरण

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एड़का में कक्षा 9वीं की 50 छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम ने छात्राओं से पाठ्यक्रम, शिक्षण प्रक्रिया एवं आगामी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए और सभी बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह योजना बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य संतनाथ उसेंडी, जनपद पंचायत सदस्य मंगली कावड़े, उपाध्यक्ष शाला प्रबंधन विकास समिति राजू दुग्गा, प्राचार्य जितेंद्र देवांगन, पंचायत प्रतिनिधि, वार्ड पंच चरण पांडे, प्रभु पाण्डे, भुवेक चंद चक्रधारी, परसूशोरी, सरिता कोर्राम सहित ग्रामवासी, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पखांजूर में वर्ष 2025 की अंतिम नेशनल लोक अदालत आयोजित

पखांजूर। तालुका विधिक सेवा समिति, पखांजूर के तत्वावधान में वर्ष 2025 की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन पखांजूर में किया गया। लोक अदालत में कुल 1836 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया, जबकि 64 प्रकरण लंबित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी उत्सुकता देखने को मिली। बड़ी संख्या में पक्षकार अपने-अपने मामलों के समाधान की उम्मीद लेकर लोक अदालत पहुंचे। इस अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, पखांजूर विजय कुमार मिंज ने बताया कि लोक अदालत में आए पक्षकारों ने सिविल मामलों में आपसी सहमति और राजीनामे के माध्यम से अपने विवादों का समाधान किया। उन्होंने कहा कि न्यायालय की लंबी प्रक्रिया और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए लोगों ने लोक अदालत में विशेष रुचि दिखाई। मिंज ने बताया कि इस लोक अदालत में धारा 138 के प्रकरण, घरेलू विवाद एवं हिन्दू विवाह अधिनियम से संबंधित मामलों का भी निराकरण किया गया। इनमें एक महत्वपूर्ण प्रकरण में पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद का सफल समाधान हुआ। दोनों पति-पत्नी काफी समय से अलग रह रहे थे। उन्होंने बताया कि अधिवक्ता गोपाल शील एवं राजेश नायर द्वारा दोनों पक्षों को समझाइश और कानूनी परामर्श दिए जाने के बाद आपसी सहमति से विवाद का समाधान हुआ, जिसके पश्चात पति-पत्नी खुशी-खुशी साथ घर लौटे। न्यायाधीश मिंज ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से न केवल समय और धन की बचत होती है, बल्कि सामाजिक सौहार्द भी बना रहता है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि पारिवारिक एवं आपसी विवादों के समाधान के लिए लोक अदालत जैसे वैकल्पिक न्याय मंचों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं विधिक सेवा समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एफआरए क्लस्टर ग्राम मयूर डोंगर में तीन दिवसीय तकनीकी उन्नयन प्रशिक्षण सम्पन्न

कोण्डागांव। मछली पालन विभाग जिला कोंडागांव द्वारा 03 दिवसीय तकनीकी उन्नयन प्रशिक्षण का आयोजन एफ़. आर. ए. क्लस्टर ग्राम मयूर डोंगर में 10 दिसंबर से 12 दिसंबर तक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में ग्राम मयूरडोंगर एवं ग्राम चारगाव के कुल 40 कृषक लाभान्वित हुए। प्रशिक्षण में मछली पालन की वैज्ञानिक विधियों से मछली पालन की जानकारी के साथ-साथ विभाग की योजनाओं की जानकारी भी दी गई। ज्ञात हो कि वर्ष 2018-19 में समन्वित कृषि को आगे बढ़ाने एवं कृषि, मुर्गीपालन, मछली पालन एवं उद्यानिकी फसल को बढ़ावा देने और आजीविका विकसित के लिए 110 एकड़ में क्लस्टर में कृषि के क्षेत्र में विकास की संकल्पना से यह पहल शुरू किया गया है, जिसमें मछली पालन भी शामिल है। इसके तहत कृषकों को तकनीकी उन्नयन प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम मे सरपंच मयूर डोंगर जयलाल नेताम, विशेषज्ञ योगेश कुमार देवांगन, शासकीय उच्चतर मा. वि. मयूर डोंगर के प्राचार्य जमील खान, व्याख्याता यशवंत देवांगन उपस्थित रहे।

परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित रखने के लिए कोंडागांव पुलिस प्रतिबद्ध है : एसपी पंकज चंद्रा

केशकाल। आरक्षक संवर्ग भर्ती चयन समिति, पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोंडागांव की ओर से एडिशनल एसपी के द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए यह स्पष्ट किया है कि 09 दिसंबर को प्रकाशित आरक्षक भर्ती परिणाम जिला नारायण पुर की सूची में आवेदन संख्या में कंप्यूटर एरर के कारण एक तकनीकी त्रुटिवश आवेदन संख्या की पुनरावृत्ति हो गई थी। त्रुटि केवल आवेदन संख्या के कॉलम में हुई थी जिसे जानकारी मिलते ही तत्काल त्रुटि सुधार कर लिया गया था । इसमें व्यापम द्वारा जारी उम्मीदवारों के नाम तथा रोल नंबर पूरी तरह सही व समान थे इनमें कोई त्रुटि नहीं हुई थी। परीक्षा परिणाम, चयन प्रक्रिया तथा मेरिट से संबंधित सभी सूचनाएँ यथावत एवं पूर्णतः सही हैं। चयनित अभ्यर्थियों के परिणामों में कोई परिवर्तन नहीं है। चयन सूची की उपरोक्त तकनीकी त्रुटि को अविलंब सुधार उपरांत ही त्रुटि रहित चयन सूची पुलिस अधीक्षक कार्यालय और पुलिस लाइन के नोटिस बोर्ड में प्रकाशित की जा चुकी है। अतः सभी उम्मीदवारों से अनुरोध है कि इस तकनीकी त्रुटि को लेकर किसी प्रकार की चिंता, भ्रम में ना आए न ही अफवाहो पर विश्वास करें। सभी संबंधित हितधारकों की जानकारी और हित में, त्रुटि के सुधार के उपरांत अंतिम चयन सूची पुनः संलग्न की जा रही है. कोंडागांव जिला पुलिस प्रशासन संपूर्ण प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

रजत जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायत चिंगनार के 95 वृद्धजनों का हुआ सम्मान

कोण्डागांव। समाज कल्याण विभाग अन्तर्गत जनपद पंचायत फरसगांव के ग्राम पंचायत चिंगनार में हुआ, जिसमें ग्राम पंचायत भोंगापाल और जाकरी के 95 वृद्धजनों को शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य, ग्राम सरपंच पंच गण और मितानीन उपस्थित थे। रजत जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायत के 25 वृद्धजनों का डी.एल.सी. कार्य भी पूर्ण किया गया। कार्यक्रम में विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई और नशा मुक्ति के बारे में नुकसान की जानकारी प्रदान की गई एवं 01 वैशाखी, 02 श्रवण यंत्र, 50 वृद्धजनों का छड़ी प्रदान किया गया। मितानीन के द्वारा मलेरिया का जांच किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य, सरपंच, पंचगण, मितानीन एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी ललिता लकड़ा एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सूरजपुर सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष बने अमर सिंह

सूरजपुर संवाददाता। जिले के जिला अध्यक्ष अमरसिंह मरकाम को नियुक्त किया गया सरपंच संघ के द्वारा सूरजपुर जनपद के सभा कक्ष में छः ब्लांक के अध्यक्षों एवं सरपंचो के सर्व सहमति से नवनियुक्त जिला अध्यक्ष बनाया गया संघ ने काफी विश्वास के साथ जिले पर विश्वास जताया है हर कदम पर सरपंचों के सुख-दुख मे सहयोग करने का निर्णय लिया है इस बैठक में अमर सिंह अध्यक्ष, पिंकी सिंह , रामबिलास सिंह उनके उपाध्यक्ष, सुरेश सिंह कोषाध्यक्ष सचिव रनमनिया पैकरा, सहसचिव संत कुमार सिंह, मिडिया प्रभारी गजमोचन सिंह,सह मिडिया प्रभारी सून्दर सिंह, प्रवक्ता कपिल देव पैकरा, कार्यकारणी सदस्य श्री ज्ञानचंद टेकाम,निरुपा सिंह नेताम,नंद देव सिंह केराम, सतवीर सिंह कोरचो एवं सभी ब्लांक के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता के सर्व सहमति से नवनियुक्त पदाधिकारी बनाया गया

7 दिसंबर को राज्य स्तरीय पेंशनर्स डे कार्यक्रम रायगढ़ में आयोजित होगा

अंबिकापुर। 13 दिसंबर — आगामी 17 दिसंबर को पेंशनर्स डे पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन रायगढ़ में किया जा रहा है, जिसमें सरगुजा से 40 प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम में अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सालिक मौल्लिकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि, नेता प्रतिपक्ष तथा उनके प्रतिनिधि भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

सड़क दुर्घटना में कमी लाने के आधार पर चयनित 10 ब्लैक स्पॉट का सरगुजा पुलिस, राष्ट्रीय राज्यमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया हैं

अंबिकापुर/दिनांक-14.12.2025 को (Electronic Detailed Accident Report (eDAR) के आधार पर कुल 10 ब्लैक स्पॉट (दूर्घटनाजन्य क्षेत्र) का चयन किया गया है जो निम्नानुसार है- 1. लुचकी के घाट काली मंदिर के निकट से रघुकुल फ़्रिमुल्स 2. लुंड्रा चौक से पूनम फ़्रिमुल्स 3. शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बतौली से सम्राट पेट्रोल पम्प 4. बनारस रोड तरणताल से बाबरा पेट्रोल पम्प 5. रिंग रोड बिलासपुर चौक से आदित्य ज्योति होटल के निकट 6. रिंग रोड आकाशवाणी चौक से विशाल मेगा मार्ट 7. बनारस रोड पीजी कॉलेज ग्राउंड से मिश्रा स्विट्स 8. रिंग रोड चांदनी चौक से शहीद चौक 9. नवापारा चौक से संगवारी स्वास्थ्य केंद्र 10. विश्वास मेडिकल बतौली से पंचायत भवन ब्लैक स्पॉट पर सरगुजा पुलिस, राष्ट्रीय राज्यमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग द्वारा निरीक्षण कर चयनित स्थानों पर सड़क दुर्घटना को रोकने हेतु आवश्यक सुधार जैसे रिफ्लेक्टर, रंबल स्ट्रिप, रेडियम बोर्ड, रोड लाइट, एवं दुर्घटना से चेतावनी का बोर्ड इत्यादि की आवश्यकता अनुसार लगाये जाने हेतु विभाग प्रमुख द्वारा शासन को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण में सरगुजा पुलिस से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा, श्री अमोलक सिंह ढिल्लो, यातायात प्रभारी विजय कैवर्त्य, राष्ट्रीय राज्यमार्ग प्राधिकरण एवं लोक निर्माण विभाग से श्री निखिल लकड़ा, श्री गौतम नरवरिया, श्री नवीन सिन्ह, श्री एन. एस. ध्रुव, बसंत खाखा, द्वारा किया गया।

जनजाति गौरव समाज छत्तीसगढ़ का प्रांतीय बैठक सम्पन्न

सरगुजा। जनजाति गौरव समाज छ.ग.का प्रांतीय बैठक सरगुजा अम्बिकापुर में संरक्षक माननीय श्री प्रेम शंकर सिदार जी के मुख्य आतिथ्य एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री एम.डी.ठाकुर जी के अध्यक्षता में संपन्न हुआद्यबैठक के मुख्य अतिथि व प्रांतीय अधिकारीयों के द्वारा दीप प्रज्वलन व भारत माता, जनजाति महापुरुषों के छायाचित्र का पूजन से प्रारंभ हुआ द्य बैठक संगठन के संरक्षक श्री सिदार जी ने कार्य की समीक्षा व कार्यकर्त्ताशः गत पांच वर्षों की अनुभव प्राप्त कर जनजातियों का देश के लिए बलिदान, क्रांतिकारी प्रेरणा का किरण जनजाति समाज से शंखनाद, तिलका मांझी, टांटेया भील, शंकरशाह,सिद्धू-कांन्हू-चांद-भैरव, वीर बुधू भगत का लरका आंदोलन -कोल विद्रोह जैसे घटनाओं का उल्लेख करते हुए जनजाति समाज का आध्यात्मिक विरासत पर विचार साझा कियेद्यआगामी कार्ययोजना में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वालंबन, व्यसनमुक्ति और श्रद्धाजागण के दिशा में

कार्य करने के लिए बल दिये द्य प्रदेश अध्यक्ष मान. एम. डी. ठाकुर जी ने संभाग, जिला और ब्लॉक में एक मजबूत संगठन बनाने का आह्वान करते हुए पुनर्गठन की दृष्टि से संभागीय अध्यक्ष श्री परमेश्वर सिंह, कोषाध्यक्ष-श्री संजय सिंह, सचिव-श्री सहदेव भगत जी की घोषणा कीद्यप्रदेश महामंत्री मा.रामलखन सिंह पैकरा जी ने जनजाति गौरव समाज की स्थापना का उद्देश्य प्रस्तावना व भूमिका रखी द्य युवा प्रभाग के प्रदेश अध्यक्ष श्री इंदर भगत जी ने देव दर्शन,वनसंचार की सूचना के साथ बैठक को संबोधित किया द्यबैठक में कोरिया विभाग के माननीय संघचालक श्री प्रणव चक्रवर्ती जी का भी सानिध्य प्राप्त हुआद्य इस अवसर पर प्रवासी भारतीय (ठु हृ द्व) श्री चंद्रकांत पटेल जी ने बैठक को संबोधित कर जनजाति गौरव समाज को 2,51000/-(दो लाख एक्वन हजार रुपए) का सहयोग राशि प्रदान किया! संभागीय अध्यक्ष जी ने जिला, ब्लाक में संगठन को मजबूत करने के लिए तिथि निर्धारण अन्न/धन संग्रह व कार्यशाला की भी तिथि तय किया है द्य सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए बैठक का समापन किये द्य बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री बंसीधर उरांव जी, संभागीय उपाध्यक्ष उमाशंकर भगत जी, तेजबल नाग जी, श्री शिवनारायण सिंह जी जिलाध्यक्ष श्री बिहारी उरांव जी, श्री रघुवीर भगत जी श्री दिनेश सिंह जी, श्री संतोष सिंह जी, श्री रामप्रताप मरावी जी,श्री उपेंद्र उरकेरा जी, रामलखन सिंह जी,श्री संत सिंह जी, श्री रज्जू राम जी,श्रीअंकित तिर्की जी,महिला प्रभाग के जिलाध्यक्ष श्रीमती शशिकला भगत जी,जयंती भगत जी, पुष्पा सिंहजी, रेणुका सिंह जी, अमवती नेताम जी, धरम सिंह जी, बुधना राम जी, सहित संभाग, जिला, ब्लॉक के पदाधिकारी कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

दृष्टि बाधित विद्यार्थियों के लिए सुखद अनुभूति से भरा रामगढ़ और सैनिक स्कूल का शैक्षणिक भ्रमण

- रामगढ़ की पावन हवा, वृक्षों की सरसराहट, बहते जल की मधुर ध्वनि, शीतल समीर और पक्षियों के मधुर कलरव एवं भगवान राम की उपस्थिति को आत्मिक रूप से महसूस किया

अम्बिकापुर। कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में आज मानव जीवन ज्योति दृष्टि बाधित विद्यालय, बतौली के दिव्यांग विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं भ्रमणात्मक यात्रा पर उदयपुर स्थित रामगढ़ पर्यटन केंद्र ले जाया गया। बच्चों को बस के माध्यम से सुरक्षित रूप से भ्रमण कराया गया। रामगढ़ पहुंचकर विद्यार्थियों को वहां स्थित विभिन्न पर्यटन स्थलों का परिचय कराया गया। भले ही दृष्टि बाधित बच्चे भगवान राम को नेत्रों से नहीं देख सके, लेकिन रामगढ़ की पावन हवा, वृक्षों की सरसराहट, बहते जल की मधुर ध्वनि, शीतल समीर और पक्षियों के मधुर कलरव में उन्होंने भगवान राम की उपस्थिति को आत्मिक रूप से महसूस किया। यह अनुभव बच्चों के लिए भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से अत्यंत प्रेरक रहा। भ्रमण के दौरान बच्चों के लिए खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों से बच्चों के आत्मविश्वास, आनंद और सामाजिक सहभागिता की वृद्धि होगी। इसके पश्चात विद्यार्थियों को सैनिक स्कूल अम्बिकापुर का भ्रमण कराया गया। यहां बच्चों को सैन्य अनुशासन, परिसर की जानकारी दी गई तथा टैंक और तोप जैसे सैन्य संसाधनों को स्पर्श कर उनके बारे में बताया गया, जिससे बच्चों में देशभक्ति और साहस की भावना विकसित हुई। समस्त भ्रमण कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों को सुरक्षित रूप से विद्यालय वापस छोड़ा गया। इस अवसर पर उप संचालक समाज कल्याण श्री व्ही.के. उके सहित विद्यालय एवं संबंधित कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

धानखरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार का निर्णायक कदम....

- धान विक्रय प्रक्रिया हुई सरल, अब दिन-रात कभी भी मिलेगा तूहर टोकन
- सरकार किसानों के साथ: टोकन सिस्टम में समय की बंदिश खत्म

अंबिकापुर। प्रदेश के किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तूहर टोकन ऐप को अब 24म7 खोल दिया गया है। अब मोबाइल एप से टोकन काटने के लिए किसी निर्धारित समय की बाध्यता नहीं रहेगी। किसान दिन-रात किसी भी समय अपनी सुविधा के अनुसार टोकन बुक कर सकेंगे। अब किसान 13 जनवरी तक अगले 20 दिनों तक के लिए टोकन ले सकते हैं।इससे किसानों को धान विक्रय की योजना बनाने और टोकन प्राप्त करने में पर्याप्त समय मिलेगा तथा भीड़ और तकनीकी दबाव की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा 2 एकड़ एवं 2 एकड़ से कम रकबा वाले किसान अब 31 जनवरी तक तूहर टोकन ऐप से टोकन ले सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर लघु किसनों के लिए यह सुविधा मुहैया कराई गई है उल्लेखनीय है कि टोकन प्रत्येक सहकारी समिति को आबंटित सीमा के भीतर ही जारी किए जाएंगे। किसानों से आग्रह है कि वे समय रहते तूहर टोकन ऐप के माध्यम से टोकन प्राप्त करें और किसी भी असुविधा से बचें। किसानों की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। तूहर टोकन ऐप को 24म7 खोलने और समय की बाध्यता समाप्त करने का निर्णय इसी सोच का परिणाम है। अब किसान बिना किसी दबाव के, अपनी सुविधा अनुसार टोकन बुक कर सकेंगे। 2 एकड़ एवं 2 एकड़ से कम रकबा वाले किसानों के लिये टोकन की अतिरिक्त समय सीमा और अवधि का विस्तार किसानों को वास्तविक राहत देगा।

देह व्यापार के प्रकरण में फ़रार एक महिला सहित तीन आरोपी गिरफ़्तार

- पूर्व में एक महिला को गिरफ़्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था शेष दो आरोपी घटना के बाद से फ़रार थे।

अंबिकापुर/मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 10.11.2025 को मुखबिर से सूचना मिला कि आकाशवाणी चौक के पास एक घर में अनैतिक देह व्यापार हो रहा है, जिसमें युवक व युवतियों से अवैध रूप से वेश्यावृत्ति कराई जा रही है। प्राप्त सूचना के आधार पर सूचना की सत्यता की जांच उपरांत महिला थाना अम्बिकापुर अपराध क्रमांक 17/2025, धारा 3, 4, 5, 7 अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम, 1956 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में आरोपियों की तलाश की जा रही थी। आकाशवाणी चौक के निकट एक मकान से महिला आरोपी की गिरफ़्तारी की गई थी। महिला के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने पर वैधानिक कार्रवाई करते दिनांक 10/11/25 को गिरफ़्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। विवेचना में अग्रीम कार्यवाही करते पुलिस टीम को सूचना मिली की पूर्व में गिरफ्तार महिला का पति सुनील कुमार भी अपराध में सहयोगी है महिला जो ग्राहक ढूँढती है एवं उसका साथी हेमंत दास देह व्यापार के लिए लड़कियों को ग्राहक तक लाने- ले जाने का काम करता है।

भटगांव में स्वच्छता व्यवस्था फेल: जिम्मेदारों की अनदेखी जनता ने अपनी जेब से कराया सेफ्टी टैंक का सुधार.........

सूरजपुर संवाददाता। जिले के नगर पंचायत भटगांव में स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं की बदहाली खुलकर सामने आ गई है। भटगांव बस स्टैंड के पास मुख्य मार्ग पर स्थित सार्वजनिक सह सामुदायिक शौचालय का सेफ्टी टैंक पाइप महीनों तक टूटा रहा। आसपास कूड़ा-कचरा फैला रहा, नालियां जाम रहीं और पूरे क्षेत्र में भीषण दुर्गंध व संक्रमण का खतरा बना रहा, लेकिन नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था बेअसर साबित हुई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि समस्या की जानकारी कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को दी गई, फिर भी न निरीक्षण हुआ और न ही मरम्मत या नियमित सफाई की व्यवस्था की गई। सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषय पर यह

उदासीनता गंभीर सवाल खड़े करती है। अंततः बदहाली से त्रस्त होकर स्थानीय लोगों ने खुद पहल की। प्रशासन के नहीं जागने पर नागरिकों ने अपनी जेब से खर्च कर लेबर, मिस्त्री और सामग्री जुटाई तथा सेफ्टी टैंक में नया पाइप लगवाकर मरम्मत करवाई। लोगों का कहना है कि यह नगर पंचायत का दायित्व था, लेकिन निष्क्रियता ने जनता को मजबूर कर दिया। बस स्टैंड और शौचालय परिसर में कूड़े के ढेर, बढ़ते मच्छर और जाम नालियां रोज़ की परेशानी बन चुकी हैं। यह न सिर्फ शहर की छवि धूमिल कर रही है, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य के लिए भी बड़ा खतरा है। स्वच्छ भारत मिशन के दावों के बीच भटगांव की यह जमीनी सच्चाई सरकारी घोषणाओं की पोल खोलती है। मामले पर नगर पंचायत भटगांव के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश कुशवाहा ने संबंधित स्थान पर कर्मचारी भेजकर वस्तुस्थिति की जानकारी लेकर कार्रवाई की बात कही है। वहीं, नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि जब टैक्स समय पर वसूला जाता है, तो बुनियादी सुविधाओं के लिए जनता को अपनी जेब से खर्च क्यों करना पड़ रहा है। अब देखना यह है कि बयान के बाद सुधार होता है या भटगांव की जनता को आगे भी प्रशासन की भूमिका खुद निभानी पड़ेगी।

एसईसीएल कोल ट्रांसपोर्ट ट्राला की चपेट में आए बाइक सवार,छात्र की मौके पर मौत.....

- एसईसीएल कर्मी ने रास्ते में तोड़ा दम, भटगांव में भारी आक्रोश

सूरजपुर/ संवाददाता। जिले के भटगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत एसईसीएल कोल ट्रांसपोर्ट से जुड़े एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक के साथ जबरदस्त आक्रोश का माहौल बन गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसईसीएल कोल ट्रांसपोर्ट में लगा ट्राला क्रमांक ब्ळ 15,ष्ट 4654 विश्रामपुर क्षेत्र की कोयला खदानों से कोयला लेकर भटगांव रेलवे साइडिंग की ओर जा रहा था। इसी दौरान लक्ष्मीपुर नाला के ऊपर, एक ही दिशा में जा रही मोटरसाइकिल को पीछे से रौंदते हुए ट्राला आगे निकल गया। घटना का समय दोपहर करीब 12:30 बजे बताया जा रहा है। हादसे में सेमू राजवाड़े (15 वर्ष), पिता फुलेश्वर राजवाड़े, निवासी ग्राम कमलापुर, जो कक्षा 10वीं का छात्र था, उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार एसईसीएल कर्मचारी शिवमंगल राजवाड़े (58 वर्ष), पिता कन्हैया, निवासी ग्राम खर्रा, ओडगी, जो कमलापुर में रहकर एसईसीएल में कार्यरत था, वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे तत्काल अंबिकापुर अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन मिली जानकारी के अनुसार रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने खोजबीन कर ट्राला को बरामद किया और भटगांव थाना लाया गया। इसके बाद मृतकों के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण थाना भटगांव पहुंचे,

जहां उन्होंने कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए वाहन मालिक को तत्काल बुलाने की मांग की। बताया जा रहा है कि वाहन मालिक द्वारा लगातार टालमटोल की जाती रही। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भटगांव थाना परिसर में अनुविभागीय अधिकारी दंडाधिकारी चांदनी कवर, तहसीलदार शिवनारायण राठिया (भटगांव) सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे और स्थिति को संभालने का प्रयास करते रहे। समाचार लिखे जाने तक न तो वाहन मालिक थाने पहुंचा और न ही किसी ठोस निष्कर्ष पर बात बन सकी। इस दौरान पुलिस प्रशासन मामले को शांत कराने और समझाइश देने में जुटा रहा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कोल ट्रांसपोर्ट में लगे भारी वाहन बेलगाम तरीके से सड़कों पर दौड़ते हैं, जिन पर न नियमों का पालन होता है और न ही प्रभावी नियंत्रण। ग्रामीणों का कहना है कि इन वाहनों की स्थिति ऐसी हो गई है कि सड़क पर चलते समय कब कौन हादसे का शिकार हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे हादसों में कई परिवार उजड़ चुके हैं, और दुर्घटना के बाद थोड़ा-बहुत मुआवजा देकर मामलों को दबाने का प्रयास किया जाता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य अनुज राजवाड़े भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद देने तथा साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है, वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से कठोर कार्रवाई, उचित मुआवजा और कोल ट्रांसपोर्ट वाहनों पर सख्त नियंत्रण की मांग की है।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

सूरजपुर संवाददाता। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा रविवार को विकासखंड रामानुजनगर के पाँच परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा के सफल संचालन हेतु प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामानुजनगर में कुल 288 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ था, जिनमें से 211 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामानुजनगर में 360 विद्यार्थियों का पंजीयन किया गया था, जिनमें 270 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, परशुरामपुर में 336 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ, जिनमें से 250 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तीवरागुड़ी में 118 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 80 उपस्थित रहे। इसी तरह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सोनपुर में 250 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ, जिनमें से 168 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इस प्रकार सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 348 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। सभी केंद्रों में निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा की निष्पक्षता एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए नवोदय विद्यालय समिति द्वारा नियुक्त सीएलओ की निगरानी में परीक्षा संपन्न कराई गई।

खरमास में ऐसे करें तुलसी पूजा, बनी रहेगी खुशहाली

खरमास का आरंभ 16 दिसंबर से हो रहा है। शास्त्रों में वर्णित जानकारी के अनुसार, खरमास के दौरान मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है। साथ ही, पूजा-पाठ से जुड़े नियमों का भी मुख्य रूप से पालन करना पड़ता है नहीं तो ग्रह दोष लगता है और जीवन में संकट आने शुरू हो जाते हैं। इसी कड़ी में पूजा-पाठ के कुछ नियम जुड़े हैं तुलसी पूजन से।

खरमास में कैसे करें तुलसी की पूजा?

धर्म ग्रंथों और शास्त्रों में बताया गया है कि खरमास में तुलसी पूजा नहीं करनी चाहिए क्योंकि तुलसी को खरमास के दौरान स्पर्श करना वर्जित माना गया है और बिना स्पर्श किये तुलसी पूजा करना संभव नहीं है, लेकिन शास्त्रों में यह भी उल्लेखित है कि अगर किसी के घर में कोई अनुष्ठान चल रहा है जिसके लिए तुलसी पूजन आवश्यक है तो तब तुलसी माता की पूजा कैसे करें।

- एक तांबे का बर्तन लें। तांबे का बर्तन संभव न हो तो पीतल का भी ले सकते हैं। इसके बाद बर्तन में तुलसी को बिना छुए उसके गमले में से थोड़ी सी मिट्टी निकाल लें।
- फिर मिट्टी से छोटी सी प्रतिमा बनाकर, जैसी आप बना पाएं वैसी ही, उस पर गंगाजल और दूध डालें। इसके बाद गंगाजल और दूध से उस मिट्टी को आटे की तरह मथ लें और उस पर हल्दी की 5 गांठें रख दें।
- इसके बाद उसी मथी हुई मिट्टी को सूती लाल रंग के कपड़े में लपेटकर उस पर कलावा 3 बार लपेटें और फिर उस पोटली को घर की पूर्व दिशा में बांध दें। इसके बाद तुलसी के पौधे के सामने खड़े होकर तुलसी चालीस का पाठ करें। तुलसी स्तोत्र पढ़ें और अपने हवन-अनुष्ठान आदि को संपन्न करें। ध्यान रहे कि भोग निकलते समय तुलसी माता के हिस्से का भोग गाय को खिलाएं।

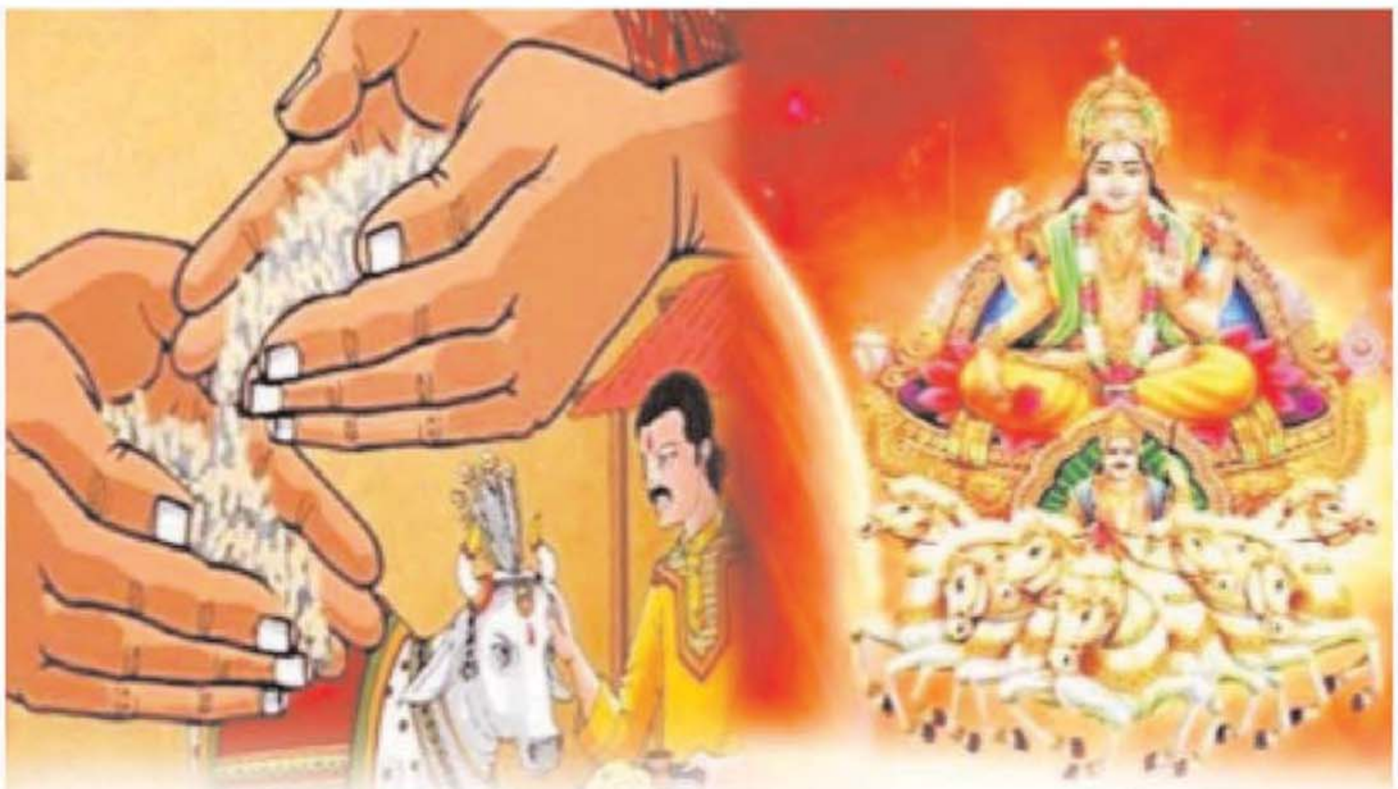

खरमास का महत्व एवं पौराणिक कथा

भारतीय पंचांग के अनुसार जब सूर्य धनु राशि में संक्रांति करते हैं तो यह समय शुभ नहीं माना जाता है। प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी सूर्यदेव अपनी राशि बदल रहे हैं। इस बार गुरुवार को सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेंगे। इसे ही सूर्य धनु संक्रांति कहा जाता है। धार्मिक मान्यतानुसार जब तक सूर्य मकर राशि में संक्रमित नहीं होते तब तक किसी भी प्रकार के शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। सूर्य किसी विशेष राशि में प्रवेश करता है, इसी कारण से इसे संक्रांति के नाम से जाना जाता है। धनु संक्रांति के दिन भगवान सत्यनारायण की कथा का पाठ किया जाता है। इस दिन भगवान को मीठे व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।

भगवान विष्णु की पूजा में केले के पत्ते, फल, सुपारी, पंचामृत, तुलसी, मेवा आदि का भोग तैयार किया जाता है। सत्यनारायण की कथा के बाद देवी लक्ष्मी, महादेव और ब्रह्मा जी की आरती की जाती है और चरणामृत का प्रसाद दिया जाता है।

जो लोग विधिपूर्वक पूजन करते हैं उनके सभी संकट दूर होते हैं और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। पंचांग के अनुसार यह समय पौष मास का होता है, जिसे खरमास कहा जाता है। इस माह की संक्रांति के दिन गंगा-यमुना स्नान का महत्व माना जाता है। पौष संक्रांति के दिन श्रद्धालु नदी किनारे जाकर सूर्य को अरघ्य देते हैं। इससे स्वयं के मन की शुद्धि होती है। बुद्धि और विवेक की प्राप्ति के लिए भी इस दिन सूर्य पूजन किया जाता है।

खरमास का समापन कब होगा?

सूर्य देव लगभग एक महीने तक धनु राशि में रहते हैं, जिसके कारण खरमास भी एक महीने का होता है। जब सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तो खरमास समाप्त हो जाता है। 14 जनवरी को को सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करेंगे, जिस दिन खरमास खत्म होगा और मकर संक्रांति मनाई जाएगी। इसके बाद से मांगलिक कार्य फिर से शुरू हो सकेंगे।

खरमास के दौरान सूर्यदेव की पूजा का महत्व

खरमास के दौरान सूर्य देव की पूजा का विशेष महत्व है। बता दें, सूर्यदेव को ऊर्जा का देवता माना जाता है। उनकी पूजा करने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और रोगों से मुक्ति मिलती है। सूर्य देव की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में समृद्धि आती है। सूर्यदेव को तांबे के लोटे में जल भरकर अर्घ्य देना चाहिए। आपको बता दें, खरमास के दौरान सूर्यदेव कमजोर हो जाते हैं। जिसके कारण शुभ कार्यों पर रोक लगा दी जाती है। इसलिए इस दौरान उनकी पूजा विधिवत रूप से करें।

खरमास के दौरान किन मंत्रों का जाप करें?

खरमास के दौरान इ मंत्रों का विशेष रूप से जाप करें। इससे व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

ऊं घृणि सूर्याय नमः
ऊं सूर्याय नमः
ऊं ह्रीं ह्रीं सूर्याय सहस्रकिरणराय मनोवांछित फलम् देहि देहि स्वाहा-
ऊं नमो भगवते वासुदेवाय-

खरमास की कथा

संस्कृत में गधे को खर कहा जाता है। पौराणिक ग्रंथों में वर्णित खरमास की कथा के अनुसार भगवान सूर्यदेव सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर लगातार ब्रह्मांड की परिक्रमा करते रहते हैं। उन्हें कहीं पर भी रूकने की इजाजत नहीं है। मान्यता के अनुसार उनके रूकते ही जन-जीवन भी ठहर जाएगा। लेकिन जो घोड़े उनके रथ में जुड़े होते हैं वे लगातार चलने और विश्राम न मिलने के कारण भूख-प्यास से बहुत थक जाते हैं। उनकी इस दयनीय दशा को देखकर सूर्यदेव का मन भी द्रवित हो गया। वे उन्हें एक तालाब के किनारे ले गए, लेकिन उन्हें तभी यह ध्यान आया कि अगर रथ रूका तो अनर्थ हो जाएगा। लेकिन घोड़ों का सौभाग्य कहिए कि तालाब के किनारे दो खर मौजूद थे। भगवान सूर्यदेव घोड़ों को पानी पीने और विश्राम देने के लिए छोड़े देते हैं और खर अर्थात गधों को अपने रथ में जोत देते हैं। अब घोड़ा-घोड़ा होता है और गधा-गधा, रथ की गति धीमी हो जाती है फिर भी जैसे-तैसे एक मास का चक्र पूरा होता है तब तक घोड़ों को विश्राम भी मिल चुका होता है, इस तरह यह क्रम चलता रहता है और हर सौर वर्ष में एक सौर खर मास कहलाता है।

शास्त्रों के अनुसार, जहां एक ओर खरमास में मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है तो वहीं, दूसरी ओर इस दौरान पूजा-पाठ करना बहुत शुभ माना जाता है। इसी कड़ी में शास्त्रों में कुछ ग्रंथों को खरमास में पढ़ना अत्यधिक लाभकारी माना जाता है।

सुख-शांति के लिए खरमास में करें इन ग्रंथों का पाठ

खरमास में भगवद गीता का पाठ

खरमास में भगवद गीता का पाठ करने से आत्मा की शुद्धि होती है और व्यक्ति को आध्यात्मिक उन्नति मिलती है। गीता के श्लोकों का जाप और चिंतन करने से व्यक्ति के मन, शरीर और आत्मा में शांति और संतुलन आता है। जीवन के पथ को लेकर दिशा समझ आने लगती है और पारिवारिक क्लेश दूर होता है।

खरमास में रामायण का पाठ

रामायण का पाठ घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। रामायण का खरमास में पाठ करने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह कम होता है और भगवान राम का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। इसके अलावा, रामायण का खरमास में पाठ करने से व्यक्ति को शत्रुओं पर विजय मिलती है। षड्यंत्र से रक्षा होती है।

खरमास में शिव पुराण का पाठ

खरमास में शिव पुराण का पाठ करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव स्वयं भक्त के सभी संकटों को हर लेते हैं और अपनी कृपा बरसाते हैं। खरमास में शिव पुराण का पाठ करने से आध्यात्मिक बल मिलता है और व्यक्ति में भक्ति का संचार होने लग जाता है।

खरमास में सत्यनारायण कथा का पाठ

सत्यनारायण कथा का पाठ घर में धन, समृद्धि और ऐश्वर्य को आकर्षित करता है। वहीं, खरमास के दौरान इस पाठ को करने से ग्रहों की अशुभता दूर होती है। भगवान सत्यनारायण की पूजा से घर में दरिद्रता समाप्त होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। यह कथा पुण्य प्राप्ति का सबसे सरल स्रोत है।

कब है सफला एकादशी

सनातन धर्म में सभी एकादशी तिथियों का विशेष महत्व है। वहीं पंचांग के हिसाब से पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन सफला एकादशी का व्रत रखा जाता है। साथ ही इसे पौष कृष्ण एकादशी के नाम से भी जाना जाता है।

ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति के जीवन में किसी भी तरह की कोई परेशानी आ रही है, तो सफला एकादशी के दिन पूजा-पाठ करने से व्यक्ति को सफलता की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही जीवन में आ रही बाधाएं भी दूर हो सकती है। अब ऐसे में इस साल सफला एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा। भगवान विष्णु की पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजा का महत्व क्या है।

सफला एकादशी कब है?

पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 14 दिसंबर, रविवार के दिन शाम को 6 बजकर 50 मिनट पर होगा। वहीं, अगले दिन 15 दिसंबर को रात के 9 बजकर 21 मिनट पर इसका समापन होगा। ऐसे में उदय तिथि के नियमानुसार सफला एकादशी का व्रत 15 दिसंबर, सोमवार को रखा जाएगा। इस दिन सुबह और शाम विधि-विधान से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए।

भगवान विष्णु की पूजा का महत्व

सफला एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है और अगर किसी जातक के कार्यक्षेत्र में कोई परेशानी आ रही है, तो भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं और भाग्योदय हो सकता है और मनोवांछित फलों की भी प्राप्ति होती है।

भगवान विष्णु को लगाएं इन 3 चीजों का भोग

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है। सभी एकादशी तिथि के दिन भगवान विष्णु की पूजा विशेष रूप से करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो एकादशी के दिन व्रत रखने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। आपको बता दें, पौष माह में पड़ने वाली एकादशी तिथि को सफला एकादशी के नाम से जाना जाता है। अब ऐसे में इस दिन विष्णु जी को किन चीजों का भोग लगाने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है।

भगवान विष्णु को लगाएं केसर हलवा का भोग

सफला एकादशी के दिन भगवान विष्णु को केसर हलवा का भोग लगाएं। केलर हलवा श्रीहरि को बेहद प्रिय है और इसका भोग लगाने से व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है और भगवान विष्णु की कृपा भी बनी रहती है। इसके अलावा अगर बार-बार आपके काम अटके रहते हैं, तो इससे शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

भगवान विष्णु को लगाएं केले का भोग

सफला एकादशी के दिन भगवान विष्णु को केले का भोग लगाएं। ऐसा कहा जाता है कि केले का भोग लगाने से व्यक्ति को गुरुदोष से छुटकारा मिल सकता है और जीवन में आने वाली बाधाएं दूर हो जाती है। केले का भोग विष्णु जी की कृपा पाने के लिए सबसे आसान तरीका है। ऐसा माना जाता है कि केले के पत्ते पर भगवान विष्णु को भोग लगाने से घर में समृद्धि का वास होता है।

भगवान विष्णु को लगाएं खीर का भोग

सफला एकादशी के दिन भगवान विष्णु को केसर वाली खीर का भोग लगाएं। ऐसा कहा जाता है कि केसर खीर का भोग लगाने से व्यक्ति के शीघ्र विवाह के योग बनने लग जाते हैं और भौतिक सुखों में भी वृद्धि होती है। इसके अलावा अगर आपके वैवाहिक जीवन में कोई समस्या आ रही है, तो केसर खीर का भोग लगाने से उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। भगवान विष्णु की कृपा से आयु और स्वास्थ्य में वृद्धि होती है।

पौष मास हो गया है आरंभ जानिए खास बातें

पौष का महीना पंचांग के अनुसार दसवां महीना कहलाता है। पौष मास की पूर्णिमा पर चंद्रमा पुष्य नक्षत्र में रहता है। चंद्रमा के पुष्य नक्षत्र में रहने के कारण इस महीने को पौष का महीना कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस महीने में उत्तम स्वास्थ्य और मान-सम्मान की प्राप्ति के लिए भगवान सूर्यनारायण की पूजा का विधान है। इस महीने में भगवान सूर्य को अरघ्य दिया जाता है और उपवास भी रखा जाता है।

हिन्दू पंचांग के दसवें महीने को पौष कहते हैं। इस महीने सूर्य 11,000 रश्मियों के साथ व्यक्ति को उर्जा और स्वास्थ्य प्रदान करता है। पौष मास में अगर सूर्य की नियमित उपासना की जाए तो सालभर व्यक्ति स्वस्थ और संपन्न रहता है। पौष मास विवाह चर्चा या विवाह से जुड़े कार्यक्रम करने के लिए शुभ नहीं माना जाता है। इसके अलावा गृह प्रवेश, भूमि पूजन, हवन, ग्रह प्रवेश, व्यापार मुहूर्त, देव पूजन, मुंडन और जनेऊ संस्कार जैसे कार्यों पर भी रोक लग जाती है।

क्या खाएं

- पौष के महीने में खान-पान को लेकर भी काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। इस महीने में मेवे और स्निग्ध चीजों का इस्तेमाल करने के लिए कहा जाता है।
- चीनी की बजाय गुड़ का सेवन करें। अजवाइन, लौंग और अदरक का सेवन लाभकारी होता है। गेहूं, चावल और जौ का सेवन करना भी अच्छा होता है।
- पौष के महीने में आपको खाने में सेंधा नमक का इस्तेमाल करना चाहिए। तिल का सेवन करने से भी आपको स्वास्थ्य लाभ मिलता है।

क्या न खाएं

- इस महीने में ठंडे पानी का प्रयोग, स्नान में गड़बड़ी और अत्यधिक खाना खतरनाक हो सकता है। इस महीने में बहुत ज्यादा तेल घी का प्रयोग भी उत्तम नहीं होगा।
- इस महीने में तामसिक भोजन करने से बचना चाहिए। तामसिक भोजन को पचाने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत करना पड़ती है। उड़द या मसूर की दाल से भी परहेज करना चाहिए।
- मदिरा-मास के निषेध के अलावा बैंगन, फूल गोभी और मूली का भी कम सेवन करना चाहिए।

पौष माह में करें सूर्यदेव की पूजा

- रोज सुबह उठकर स्नान के बाद तांबे के लोटे से सूर्य को अरघ्य दें।
- जल में रोली और लाल रंग के पुष्प जरूर डालें।
- जल चढ़ाते समय 'ऊं आदित्याय नमः' मंत्र का जाप करें।
- इस माह में गर्म कपड़े और अनाज का दान करें।
- इस माह में लाल रंग के वस्त्रों का प्रयोग करने से भाग्य में वृद्धि होती है।
- इस माह में नमक का सेवन कम या ना के बराबर करना चाहिए।
- चीनी की जगह गुड़ का सेवन करें।
- मेवे और स्निग्ध चीजों का प्रयोग करें।
- अजवायन, लौंग और अदरक का इस्तेमाल हितकारी है।
- इस महीने में ठंडे पानी का प्रयोग बिलकुल ना करें।
- बासी खाने से दूर रहें।

वर्ष 2025 की चतुर्थ एवं अंतिम नेशनल लोक अदालत में कुल 1003886 मामले निराकृत तथा अवार्ड राशि 572225744 रही

दुर्ग/ राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में तथा प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के निर्देशन में जिला न्यायालय एवं तहसील व्यवहार न्यायालय में वर्ष 2025 की चतुर्थ एवं अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसके तहत जिला न्यायालय दुर्ग, कुटुम्ब न्यायालय, दुर्ग, व्यवहार न्यायालय भिलाई-3 व्यवहार न्यायालय पाटन एवं व्यवहार न्यायालय धमधा, तथा किशोर न्याय बोर्ड दुर्ग, श्रम न्यायालय दुर्ग, स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएँ) दुर्ग, राजस्व न्यायालय दुर्ग, एवं उपभोक्ता फोरम दुर्ग में नेशनल लोक अदालत आयोजित की गयी।

प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा न्यायिक भातृत्व की भावना को प्रमुखता देते हुए श्री सजल जैन, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी दुर्ग द्वारा नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित किया। शुभारंभ कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दुर्ग, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अलावा जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग के सचिव श्री रविशंकर सिंह एवं अन्य पदाधिकारीगण, न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण तथा विभिन्न बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में कुल 32 खण्डपीठ का गठन किया गया। परिवार न्यायालय दुर्ग हेतु 03 खण्डपीठ, जिला न्यायालय दुर्ग हेतु 23, तहसील व्यवहार न्यायालय भिलाई-3 में 01 खण्डपीठ, तहसील व्यवहार न्यायालय पाटन हेतु 02 खण्डपीठ, तहसील व्यवहार न्यायालय धमधा में 01 खण्डपीठ, किशोर न्याय बोर्ड हेतु 01 तथा स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाऐं) दुर्ग के लिए 01 खण्डपीठ का गठन किया गया। इसके अतिरिक्त राजस्व न्यायालय में भी प्रकरण का निराकरण हेतु खण्डपीठ का गठन किया गया था।

उक्त नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य दाण्डिक, सिविल, परिवार, मोटर दुर्घटना दावा, से संबंधित प्रकरण रखे गये तथा उनका निराकरण न्यायालय में सौहार्दपूर्ण तरीके से समझौते के आधार पर किया गया। इसके अलावा बैंकिंग / वित्तीय संस्था, विद्युत एवं दूरसंचार से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों (विवाद पूर्व प्रकरण) का निराकरण भी किया गया। लोक अदालत में दोनों पक्षकारों के आपसी राजीनामा से प्रकरण का शीघ्र निराकरण होता है, यहाँ वर्षों का विवाद मिनटों में सुलझ जाता है। इसमें न तो किसी की हार होती है न ही किसी की जीत होती है।

शनिवाार, 13 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत के अवसर पर सामाजिक एवं जनहितैषी कार्यक्रम के उद्देश्य से जरूरतमंदों व्यक्तियों के लिए सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने तथा समाज में ष्रक्तदान जागरूकताश् को बढ़ावा देने के लिए दुर्ग जिला ब्लड सेंटर, रेडकास सोसायटी जीवनदीप समिति जिला प्रशासन / जिला चिकित्सालय दुर्ग द्वारा मोबाईल ब्लड कलेक्शन वेन की व्यवस्था सहित निःशुल्क सेवा हेतु ष्रक्तदान शिविरष् के आयोजन के साथ-साथ कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला चिकित्सालय, दुर्ग के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर दुर्ग में आने वाले पक्षकारों के स्वास्थ्य जाँच / परीक्षण हेतु एक दिवसीय ष्निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविरष् का आयोजन किया गया। उक्त विभाग / कार्यालय की ओर से डॉ0 मोनिका मरकाम, चिकित्सा अधिकारी, एवं अन्य सहायक कर्मचारियों द्वारा सेवाऐं प्रदान की गयी। स्वास्थ्य जाँच शिविरष् में अन्य न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं बड़ी संख्या में आमजनों के द्वारा अपने स्वास्थ्य की जांच / परीक्षण कराया गया और बहुतायत संख्या में लोग लाभान्वित हुए हैं।

उक्त आयोजित नेशनल लोक अदालत गुरूद्वारा शहीद बाबादीप सिंह व श्री गुरूसिंह सभा गुरूद्वारा के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर में निः शुल्क भोजन की व्यवस्था किया गया था जहां बहुतायत संख्या में लोगों के द्वारा निःशुल्क भोजन ग्रहण किया गया। इसके अलावा केन्द्रीय जेल दुर्ग द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों द्वारा निर्मित ष्जेल उत्पाादष् की प्रदर्शनी विक्रय हेतु लगायी गयी थी जिसे उपस्थितजनों द्वारा काफी सराहा गया ।

उक्त आयोजित नेशनल लोक अदालत में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग कोर्ट भ्रमण के दौरान पक्षकारों व बैंक प्रबंधकों से रू-ब-रू हुए साथ ही समाज में ष्रक्तदान जागरूकताश् को बढ़ावा देने हेतु दुर्ग जिला ब्लड सेंटर, रेडकास सोसायटी जीवनदीप समिति जिला प्रशासन / जिला चिकित्सालय दुर्ग द्वारा मोबाईल ब्लड कलेक्शन वेन में ब्लड डोनेट किया गया ।

वर्ष 2025 के चतुर्थ व अंतिम नेशनल लोक अदालत में कुल 21610 न्यायालयीन प्रकरण तथा कुल 982276 प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकृत हुए जिनमें कुल समझौता राशि 572225744 /- रूपये रहा। इनमें बैंक के प्रीलिटिगेशन के कुल 18, विद्युत के कुल 281 एवं दूरभाष के 83 मामले निराकृत हुए जिनमें कुल समझौता राशि लगभग 4138480/- रही है। इसी क्रम में लंबित निराकृत हुए प्रकरण में 492 दाण्डिक प्रकरण, क्लेम के 75 प्रकरण, पारिवारिक मामलें के 163 चेक अनादरण के 296 मामलें, व्यवहार वाद के 53 मामलें, श्रम न्यायालय के कुल 08 मामलें तथा स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएँ) दुर्ग के कुल 7789 मामलें निराकृत हुए।

उक्त नेशनल लोक अदालत में निराकृत प्रकरण के कुछ महत्वपूर्ण प्रकरण निम्नानुसार रहे -

धारा 420 भा.दं.सं. का मामला नेशनल लोक अदालत में आपसी राजीनामा से समाप्त– मामला श्री भगवान दास पनिका के माननीय खण्डपीठ/न्यायालय का है, जिसमें थाना उतई के अपराध कमांक 316/2024 धारा 420 भा.दं.सं. के अंतर्गत अभियोग पत्र प्रस्तुत होने से संबंधित मामला आज नेशनल लोक अदालत में प्रस्तुत हुआ। उक्त मामले में ग्राम उमरपोटी प.ह.नं. 29 रा.नि.मं. दुर्ग स्थित भूमि ख.नं. 301/11 रकबा 0.01 हेक्टेयर 1575 वर्गफुट भूमि, छ.ग. में प्रार्थिया को ग्राम उपरपोटी प.ह.नं.29 भूमि खसरा नं. 301/11 रकबा 0.01 हेक्टेयर कुल 1575 वर्गफीट भूमि को प्रार्थिया के साथ 580000/- में बिकी का पक्का इकरारनामा कराकर प्रार्थिया से 450000/- रूपये लेकर जमीन देने के नाम से छल कारित करने के आशय से प्रवंचित कर बेईमानीपूर्वक उत्प्रेरित कर प्रार्थी से 450000/- रूपये प्राप्त कर छल कारित किया था। माननीय न्यायालय के खण्डपीठ में आज दोनों पक्ष के बीच राजीनामा हुआ जिसमें आवेदक / प्रार्थी एवं अनावेदक/आरोपी के मध्य आपसी सहमति से 450000/- रूपये में राजीनामा हुआ पूर्व में अनावेदक/आरोपी द्वारा आवेदक/प्रार्थी को 1,00,000/- रूपये प्रदान किया जा चुका है। शेष राशि अनावेदक/आरोपी द्वारा आज नेशनल लोक अदालत में 50000/- रूपये आवेदक / प्रार्थी को प्रदान किया गया अनावेदक / आरोपी द्वारा शेष राशि 3,00,000/- रूपये माह नवंबर 2026 तक आवेदक / प्रार्थी को अदा करेगा तथा आवेदक / प्रार्थी अब अनावेदक/आरोपी के विरूद्ध आगे कोई कार्यवाही नहीं करना चाहते हुए आपसी राजीनामा से मामला समाप्त किया गया।

घरेलु हिंसा से परिवाद का मामला आपसी राजीनामा से समाप्त– मामला खंडपीठ क. 19 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार महोबिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दुर्ग के न्यायालय का है, जिसमें आवेदिका द्वारा अपने ससुराल पक्ष सास, ससुर, मामा ससुर, मामी सास, नानी सास व नाना ससुर द्वारा माननीय न्यायालय में घरेलु हिंसा का परिवाद पेश किया गया था। इनके द्वारा ससुराल में गाली-गलौच अपशब्द का प्रयोग किया जाता था तथा स्त्रीधन कम लाने के संबंध में प्रताड़ित किया जाता था। संबंधित प्रकरण आज नेशनल लोक अदालत में सुनवाई हेतु रखी गयी जिसमें आवेदिका एवं अनावेदकगण द्वारा पुरानी रजिश को भूलकर वर्तमान में मधुर संबंध स्थापित कर मामला आपसी राजीनामा से समाप्त हंसी-खुशी घर वापस गये।

जेठानी, देवरानी एवं जेठ के द्वारा मामला आपसी राजीनामा से समाप्त किया गया– मामला खंडपीठ क. 17 के पीठासीन अधिकारी श्रीमती श्वेता पटेल, न्यायिक मजिस्टेट प्रथम श्रेणी दुर्ग के खण्डपीठ का है जिसमें प्रार्थी / आहत देवरानी द्वारा अपनी जेठानी एवं जेठ के विरूद्ध भा.दं. सं. की धारा 294, 506 एवं 323/34 अंतर्गत मामला दर्ज कराया गया था। यह विवाद एक अत्यंत साधारण पारिवारिक बात से उत्पन्न हुआ प्रार्थी द्वारा यह कहे जाने पर कि आंगन की अभी सफाई हुई है चप्पल पहनकर न आयें जाए इसी बात को लेकर आपसी कहासुनी हुई दुर्भाग्यवश मारपीट व गाली गलौच एवं जान से मारने की धमकी तक पहुंच गई। मामला वर्षो से न्यायालय में लंबित रहा जिससे परिवार के बीच कटुता तनाव एवं आपसी दूरी बनी रही। उक्त मामला आज नेशनल लोक अदालत में सुनवाई हेतु रखा गया। जिसमें माननीय पीठासीन अधिकारी श्रीमती श्वेता पटेल एवं प्रशिक्षु मजिस्टेट सुश्री मुस्कान शर्मा, सुश्री वैशाली बघेल तथा सुश्री शारदा शर्मा द्वारा धैर्यपूर्वक समझाईश देते हुए परिवार की महत्ता आपसी सम्मान सह-अस्तित्व एवं रिश्तों की गरिमा के विषय में विस्तार से समझाईश दिये जाने पर दोनों पक्षों द्वारा आपसी मतभेदों को भुलाकर आपसी सहमति से विवाद का शांतिपूर्ण तरीके से निराकरण करते हुए आपसी राजीनामा से मामला समाप्त किया गया। इस प्रकार लोक अदालत न केवल कानूनी विवादों का समाधान करती है, बल्कि टूटते पारिवारिक रिश्तों को जोड़कर सामाजिक सौहार्द और पारिवारिक एकता को सुदृढ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

पति-पत्नि के मध्य वर्षो से चला आ रहा मनमुटाव दूर हुआ और आपसी विश्वास पुनः स्थापित मामला खंडपीठ क. 17 के पीठासीन अधिकारी श्रीमती श्वेता पटेल, न्यायिक– मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दुर्ग के खण्डपीठ का ही है। जिसमें आवेदिका द्वारा अपने पति के विरूद्ध घरेलु हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कराया गया था यह मामला कई वर्षो से न्यायालय में लंबित रहा। उक्त दंपति की एक नाबालिक पुत्री है जिस कारण यह विवाद केवल विधिक नहीं बल्कि पारिवारिक एवं भावनात्मक रूप से भी अत्यंत संवदेनशील होने से उक्त मामला आज नेशनल लोक अदालत में सुनवाई हेतु नियत की गयी थी। उक्त मामलें में माननीय पीठासीन अधिकारी श्रीमती श्वेता पटेल एवं प्रशिक्षु मजिस्टेट सुश्री मुस्कान शर्मा, सुश्री वैशाली बघेल तथा सुश्री शारदा शर्मा द्वारा मानवीय दृष्टिकोण से धैर्यपूर्वक समझाईश देने से पति-पत्नि के मध्य वर्षो से चला आ रहा मनमुटाव दूर हुआ और आपसी विश्वास पुनः स्थापित होने से दोनों पक्षों द्वारा आपसी सहमति से विवाद का शांतिपूर्ण निराकरण कर पुनः साझा गृहस्थ जीवन व्यतीत कराने हेतु सहमत हुए।

इस प्रकार नेशनल लोक अदालत में न केवल विवादों का त्वरित समाधान होता है बल्कि रिश्तों को जोड़ने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने और पारिवारिक सौहार्द बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

घरेलू आवश्यकता के लिए उधार पर ली गयी राशि के भुगतान का मामला राजीनामा से समाप्त– मामला खंडपीठ क्र. 21 के पीठासीन अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह, न्यायिक मजिस्टेट प्रथम श्रेणी दुर्ग के खण्डपीठ का है। जिसमें अभियुक्त ने परिवादी से अपने घरेलू आवश्यकता के लिए वर्ष 2018 में 3,00,000/- रूपये उधार लिया था आरोपी ने उक्त उधार राशि के भुगतान के लिए परिवादी को 3,00,000/- रूपये का चेक प्रदान किया था जो बैंक में पेश किए जाने पर उक्त चेक अनादरित हो जाने से परिवादी के द्वारा न्यायालय के समक्ष मामला प्रस्तुत किया गया। उक्त मामला आज नेशनल लोक अदालत में सुनवाई हेतु रखा गया जिसमें दोनों पक्षों को माननीय पीठासीन अधिकारी के द्वारा समझाईश दिये जाने से दोनों पक्षकार मामलें में बिना किसी डर, दबाव व भय के आपसी राजीनामा कर प्रकरण समाप्त किया।

निजी खर्च हेतु ली गयी राशि को वापस करने संबंधी मामला राजीनामा से समाप्त मामला खंडपीठ क. 20 के पीठासीन अधिकारी श्री रवि कुमार कश्यप, न्यायिक- मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दुर्ग के खण्डपीठ का है जिसमें परिवादी व आरोपी के मध्य निजी खर्चा हेतु ली गयी राशि को वापस करने को लेकर पक्षकारों के मध्य मामला इस हद तक बढ़ा कि मामला अदालत में आ गया। संबंधित मामला आज नेशनल लोक अदालत में सुनवाई हेतु रखा गया जहां पक्षकारों को माननीय न्यायालय द्वारा समझाईश दिये जाने से दोनों पक्षकारों के मध्य आपसी राजीनामा से मामला समाप्त कर लिया गया।

उज्ज्वला के 352 आवेदन, सूर्यघर हेतु 3 का पंजीयन, पीएम उज्ज्वला एवं पीएम सूर्यघर हेतु संयुक्त शिविर

डोंगरगांव नगर । नगर के मेनरोड स्थित प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी सांस्कृतिक भवन में प्रधानमंत्री उज्जवला एवं प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना हेतु संयुक्त तौर पर शिविर आयोजित की गई। जिला प्रशासन के निर्देश पर आयोजित शिविर में उज्ज्वला योजना हेतु 352 आवेदन प्राप्त हुए। इसी प्रकार सूर्यघर योजना हेतु 122 हितग्राहियों ने सोलर पेनल लगवाने पर सहमति जताई। केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री उज्जवला और प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के प्रचार एवं अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के उददेश्य से जिला प्रशासन के निर्देश पर आयोजित शिविर में नागरिकों ने दोनों योजना में रुचि दिखाते हुए विभागीय स्टाल में जाकर

जानकारी हासिल की। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत गरीब परिवार को रसोई गैस कनेक्शन देने की घोषणा के बाद आहुत शिविर में नगर की महिलाओं की ओर से कुल 352 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में नपंअध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, सीएमओ विनम्र जेमा, उपअभियंता केआर बर्मन, राजस्व टीम के निरीक्षक गिरीश साहू, कमल नारायण कोठारी सहित हर्ष उने, विरेन्द्र पटेल, डोलेश्वरी साहू सहित अन्य कर्मी के अलावा पद्मा गैस एजेंसी के स्टॉफ सक्रिय थे। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना अंतर्गत नागरिकों को विद्युत विभाग ईई बीरबल उइके द्वारा जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि योजना के तहत सोलर पैनल लगाने के लिए सरकार से अनुदान मिलेगा। बिजली का उत्पादन होने से बिल से राहत मिलेगी। खपत से अधिक बिजली का उत्पादन होने पर अतिरिक्त आय भी होगी। शिविर में 3 हितग्राहियों ने पंजीयन कराया। 122 हितग्राहियों ने सोलर पेनल लगवाने पर सहमति जताई।

जो करना है आज करो : स्वामी ज्योतिर्मयानंद

बेमेतरा। बेमेतरा के हृदय स्थल स्थित मंडी प्रांगण में चल रहे शिव महापुराण में स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती के मुखारविंद से कथा सुनाई जा रही है। 14 दिसंबर गौ प्रतिष्ठा यज्ञ और शिवमहापुराण का समापन दिवस है कहा गया है बिना हरि प्रेरणा के सत्संग और धर्म का लाभ नहीं मिलता जब जब भगवान की प्रेरणा मनुष्यों पर होती है साधारण मनुष्य भी अपरिमित कार्य कर जाता है इसमें कोई संशय नहीं है। स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती का कथन, भंवरे का दृष्टांत, राधा-कृष्ण विवाह, सती-पार्वती अवतरण और देवताओं का स्तवन–सुसंगत रूप से शिव महापुराण की कथा कहते हुए आगे बढ़ते हैं। कथा स्वामी ज्योतिर्मयानंद के ज्ञानामृत वचन से सुनते हैं- शिव समान न कोऊ दूजा शिवमहापुराण की दिव्य गाथा और जगदम्बा का अवतरण की कथा है।

स्वामी कहते हैं शिवमहापुराण केवल एक शास्त्र नहीं, बल्कि सृष्टि की चेतना, शक्ति और अनंत करुणा का अदभुत समन्वय है। भगवान शिव– जो योग के आदिनाथ हैं, करुणा के सागर हैं, और समस्त प्राणियों के मुक्तिदाता– उनकी महिमा का वर्णन करते हुए ऋषि, मुनि और देवता तक मौन हो जाते हैं। शिव समान कोई नहीं– न उनके त्याग की तुलना, न उनके उपकार की सीमा। जैसा कहा जाता है- शिव समान ना कोऊ दूजा, ना ही शिव समान कोई उपकारी शिवमहापुराण कथा में स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती जी ने अत्यंत गूढ़ आध्यात्मिक उपदेश देते हुए कहा- जो करना है आज करिए, उसे कल पर न छोड़िए। क्योंकि काल किसी की प्रतीक्षा नहीं करता वह कल बनकर आ जाता है। उन्होंने एक सुंदर दृष्टांत सुनाया– एक भंवरा मकरंद के आनंद में पड़कर दिन भर रस पीता रहा शाम हुई मोह वश बाहर निकलने के बारे में बस सोचता रहा कि कल पंखुड़ियाँ खुलेंगी, कल फिर जी भर रस चखूँगा।

30071 किसानों से 1,57,155.72 मे. टन धान की खरीदी की गई

दुर्ग। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के अंतर्गत 87 सहकारी समितियों के 102 उपार्जन केन्द्रों में अब तक 30071 किसानों से 1,57,155.72 मे. टन धान खरीदी हुई है जिसकी लागत राशि 37,266.41 लाख रूपए है। शासन की पारदर्शी व्यवस्था और तुंहर टोकन के अंतर्गत किसानों को सहुलियतें मिल रही है और वे निर्धारित तिथि अनुसार धान बेचने उपार्जन केन्द्रों में पहुंच रहे हैं। किसानों को धान बिक्री पश्चात् 31,831.66 लाख रूपए का ऑनलाईन भुगतान हो चुका है। उपार्जन केन्द्रों में जिला प्रशासन द्वारा किसानों के लिए समुचित प्रबंध की गई है। धान खरीदी हेतु केन्द्रों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था है। अब तक 10300 किसानों ने 178.93 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया है। खरीफ वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले में 6,16,435 मे. टन धान खरीदी का अनुमानित लक्ष्य निर्धारित है। जिले के समितियों में खरीदे गये धान का उठाव भी शुरू हो गया है। इस हेतु 21,433.60 मे. टन का डीओ/टीओ जारी हो चुका है। जिसमें से 9,549.00 मे. टन धान का उठाव हो चुका है।

खदान मजदूर संघ ने किया सड़क निर्माण को गुणवत्ता पूर्वक बनाने की मांग

दल्लीराजहरा। खदान मजदूर संघ के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की बीएसपी प्रबंधन द्वारा राजहरा टाउनशिप में लगभग 13 किलोमीटर की सडक बनाने का ठेका भिलाई के ठेकेदार मेसर्स कैलाश इंटरप्राइजेज, पार्टनर रमेशचंद्र केशरवानी को दिया है और ठेकेदार द्वारा कार्य प्रारंभ भी कर दिया है। खदान मजदूर संघ द्वारा बीएसपी प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारियों को लिखित पत्र देकर सडक निर्माण को गुणवत्ता पूर्वक कराएं जाने का आग्रह किया था और साथ ही ठेके के नियम शर्तो का पालन व ठेका नियमों दर्ज शेड्यूल के अनुसार कार्य कराने की बात कही थी। किंतु बीएसपी प्रबंधन

के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कब कार्य प्रारंभ करवाया गया इसकी जानकारी तक यूनियन को नहीं दिया गया और कार्य को प्रारंभ करवा दिया गया। संघ को शिकायत मिली की ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता विहिन कार्य किया जा रहा है और सडक निर्माण के नाम पर खानापूर्ति किया जा रहा है। तब मिली शिकायत की जांच करने खदान मजदूर संघ के सदस्यों का प्रतिनिधी मंडल कार्यस्थल पर पहुंचा और सडक निर्माण के कार्यो का जायजा लिया तो पाया की सडक निर्माण गुणवत्ता विहिन किया जा रहा है। गिट्टी पूरी अलग दिख रही है डामर का कहीं नामोनिशान नहीं है ऐसा लगता है कि सड़क निर्माण में बीएसपी द्वारा जो मापदंड डामर और गिट्टी का दिया गया है। उसका पालन नहीं किया जा रहा है और डामर में गड़बड़ी किया जा रहा है। इसकी आशंका पहले ही संघ ने व्यक्त किया था कि बीएसपी के अधिकारियों ने ठेका शर्तो में इस नियम को जानबूझकर नहीं डाला है कि डामर टेंकर में जीपीएस सिस्टम लगा हुआ होना चाहिए जिससे पता चल सके कि डामर टेंकर भिलाई प्लांट से डामर लेकर कहां खाली कर रहा है। क्योंकि बीएसपी प्रबंधन के अधिकारी ठेकेदार को सीधे आरटी 3 डामर का कूपन दे रहे और ठेकेदार प्लांट से डामर लेकर जा रहा है उसकी निगरानी करने वाला कोई नहीं है।

ऐसा लगता है कि ऐसा जानबूझकर कर किया गया है।

छिंदवाड़ा से लूट का फरार आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। पुलगांव थाना क्षेत्र में वर्ष 2020 में हुई लूट की वारदात में पांच वर्षों से फरार चल रहे आरोपी अरमान खान को पुलिस ने छिंदवाड़ा से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना के बाद पकड़े जाने के डर से दुर्ग शहर छोड़कर छिंदवाड़ा में ऑटो चलाने लगा था। 24 सितंबर 2020 को महमरा कॉलेज के पास एक वृद्ध व्यक्ति सड़क किनारे अपनी बकरियाँ चरा रहे थे। इसी दौरान ऑटो सवार चार आरोपियों ने मारपीट कर उनकी दो बकरियों को लूट लिया और ऑटो में डालकर फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने तीन आरोपियों–सलीम खान उर्फ सोनू, आसिफ अली और संतोष कुमार साहू–को गिरफ्तार कर लूटी गई दोनों बकरियाँ बरामद कर ली थीं। तीनों को जेल भेज दिया गया था। लेकिन चौथा आरोपी अरमान खान घटना में प्रयुक्त ऑटो लेकर फरार हो गया था और लगातार तलाश के बावजूद पकड़ में नहीं आ पाया था।

5 साल बाद आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

अधिकारियों के निर्देश पर फरार आरोपियों की तलाश तेज की गई। पुलगांव थाना प्रभारी एवं अंजोरा चौकी प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। प्राप्त इनपुट के आधार पर टीम छिंदवाड़ा पहुँची, जहाँ आरोपी के ऑटो चलाने की जानकारी के आधार पर बस स्टैंड सहित कई स्थानों पर खोजबीन की गई।

अंततः पुलिस ने आरोपी अरमान खान (27 वर्ष), निवासी बैल बाजार, छिंदवाड़ा को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार किया और बताया कि घटना में प्रयुक्त ऑटो थाना पुरानी भिलाई क्षेत्र में एक एक्सीडेंट प्रकरण में पहले ही जप्त किया जा चुका है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी पुलगांव अमित कुमार अंबानी, चौकी प्रभारी अंजोरा खेलन सिंह साहू, प्रधान आरक्षक राकेश सिंह, आरक्षक बी. लक्ष्मण राव, आरक्षक राजकिरण ठाकुर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुर्ग में शीतलहर तेज, निगम ने शहरभर में शुरू की अलाव व्यवस्था

दुर्ग। दुर्ग में लगातार बढ़ रही शीतलहर से आमजन को राहत देने के लिए नगर निगम ने विशेष कदम उठाया है। महापौर अलका बाघमार और आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिदिन अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार ने बताया कि ठंड के असर को देखते हुए अलाव रात के समय नियमित रूप से जलाए जा रहे हैं। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, जिला चिकित्सालय, प्रमुख चौक और भीड़भाड़ वाले बाजारों सहित कई संवेदनशील स्थानों पर यह व्यवस्था शुरू हो चुकी है। इसके साथ ही वे क्षेत्र जहाँ बुजुर्ग, असहाय और गरीब वर्ग ज्यादा रहते हैं, वहां विशेष रूप से अलग-अलग जगह अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी को भी ठंड से परेशानी न हो। नगर निगम ने अलाव स्थलों पर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षित कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी है। आग के फैलने का जोखिम कम करने सुरक्षा उपकरण, आसपास की नियमित सफाई, नागरिकों को सावधानी बरतने की अपील, अलाव स्थलों की निगरानी टीम सक्रिय। महापौर और आयुक्त ने कहा कि निगम का प्रयास है कि शीतलहर के दौरान कोई भी राहगीर, बुजुर्ग या गरीब व्यक्ति ठंड से न जूझे। सभी जगह अलाव सही समय पर जलें, इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। जल्द ही नगर निगम द्वारा अलाव स्थलों की पूरी सूची सार्वजनिक की जाएगी, ताकि नागरिक आसानी से अपने नजदीकी स्थान का लाभ उठा सकें।

अपने मांग के समर्थन में पुतला दहन किया

बेमेतरा। बेमेतरा एसडीएम कार्यालय के सामने निर्धारित धरना स्थल पर 1 दिसंबर से शुरुआत हुई अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन का 12वां दिन अन्याय और अत्याचार एवं शोषण के मामलों में चुप्पी साधने वाले मुख्यमंत्री एवं आरक्षित जनप्रतिनिधीयो छत्तीसगढ़ राज्य में बीजेपी के गुलाम बन कर अपनी ही समाज के बेटी, बहु, दाई, बहनी, भाई, बंधु के इज्जत मान सम्मान पर मौन रहने वाले के पुतला दहन किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com